रोहतक
रविवार, 14 दिसंबर, 2025
पौष मास कृष्ण पक्ष,
दशमी वर्ष : 29, अंक : 315
पृष्ठ 14 मूल्य 3.00

मौसम
अधि. 25.7
न्यून. 6.3

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मुंबई बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामला

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ऐसे लड़कों को सबक सिखाना चाहिए, जमानत खारिज

महिला को एक किमी तक ले गया था घसीटते

आरोपी संपन्न परिवार से, उसे कुछ समय अंदर रहने दीजिए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने 2024 के मुंबई बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामले में आरोपी मिहिर शाह की जमानत याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। मिहिर शाह शिवसेना के पूर्व नेता का बेटा है। शीर्ष कोर्ट ने टिप्पणी की कि इन लड़कों को सबक सिखाने की जरूरत है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की बेंचने इस तथ्य पर गौर किया कि आरोपी एक संपन्न परिवार से है और उसके पिता उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना से जुड़े रहे हैं। बेंच ने शुक्रवार को कहा कि वह शेड में मर्सिडीज खड़ी करता है, बीएमडब्ल्यू निकालता है, उससे टक्कर मारता है और फरार हो जाता है। उसे कुछ समय अंदर रहने दीजिए। इन लड़कों को सबक सिखाने की जरूरत है। कोर्ट ने जमानत याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। मिहिर शाह को 9 जुलाई 2024 को गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि पिछले साल 7 जुलाई को वर्ली में उसने बीएमडब्ल्यू से स्कूटर को टक्कर मारी और महिला को करीब डेढ़ किलोमीटर तक घसीटते ले गया, जिससे कावेरी नखवा की मौत हो गई और पति प्रदीप नखवा गंभीर रूप से घायल हो गए। शाह ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 21 नवंबर के जमानत देने से इनकार करने वाले आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने माना था कि हादसे के समय शाह बहुत ज्यादा नशे में था।

खबर संक्षेप

विदेशी मुद्रा भंडार 1.03 अरब डॉलर बढ़ा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 1.03 अरब डॉलर बढ़कर 687.26 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस दौरान सोने का भंडार भी 1.188 अरब डॉलर बढ़कर 106.984 अरब डॉलर हो गया। एसडीआर में भी 93 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी दर्ज की गई। *एजेंसी*

मासूम को लगेगा 9 करोड़ का इंजेक्शन

इंदौर। इंदौर की एक मासूम बच्ची ऐसी बीमारी से पीड़ित है। जिसके इलाज का इंजेक्शन ही 9 करोड़ रुपए का आ रहा है। ये इंजेक्शन भी अमेरिका से आएगा। इसके लिए परिवार के लोग पैसा जमा करने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। जगह-जगह पोस्टर लगा रहे हैं, ताकि उनकी मदद कर सके और उनकी बच्ची का इलाज हो सके। बता दें कि अभी तक क्राउड फंडिंग के माध्यम से सवा करोड़ रुपए के करीब जमा हो चुके हैं। इंदौर की मासूम बच्ची के लिए कुछ सेलिब्रिटी भी आगे आए हैं। *एजेंसी*

बिना टिकट आरक्षक ने डिप्टी टीटीई को पीटा

नर्मदापुरम। बिना टिकट यात्रा कर रहे एक आरक्षक ने डिप्टी टीटीई को पीट पीटकर लहुलुहान कर दिया। बलिया से मुंबई जा रही 11072 कामायनी एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में विवाद मारपीट तक पहुंच गया। घायल डिप्टी टीटीई और आरक्षक को नर्मदापुरम स्टेशन पर उतारकर टीटीई को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनके चेहरे पर चोटें आईं। *एजेंसी*

दिल्ली में पटाखे बैन! नियम तोड़ा तो खैर नहीं

नई दिल्ली। गोवा के नाइटक्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत के पांच दिन बाद दिल्ली सरकार का आबकारी विभाग भी नींद से जागा है। विभाग ने क्रिसमस और नए साल के जश्न से पहले लाइसेंस वाली जगहों पर इलेक्ट्रिक पटाखों सहित किसी भी तरह के पटाखों के इस्तेमाल पर भी सख्ती से रोक लगा दी है। नियमों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। इन नियमों को तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

दिल्ली-एनसीआर की हवा बेहद खराब ## ग्रैप-4 की पाबंदियां लागू

सांसों पर प्रदूषण का पहरा

वायु गुणवत्ता में आई अचानक तेज गिरावट | कई जगहों पर एक्यूआई 450 के पार पहुंचा | धीमी हवा गति, प्रदूषकों के फैलाव से बिगड़े हालात | निर्माण कार्यों पर प्रतिबंध लगाया

ग्रैप 4 इन पर लगी रोक

- बाहरी और दिल्ली के अंदर की डीजल बसों पर भी रोक लग गई है।
- स्टोन क्रशर और खनन संबंधी गतिविधियों पर रोक रहेगी।
- इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर डीजल जनरेटरों पर लग गई है।
- कंपनियों में वर्क फ्रॉम होम या हाइब्रिड मोड में काम करने की सलाह।
- ध्वस्तीकरण, गैर जरूरी निर्माण कार्य और पुराने डीजल वाहनों पर रोक।
- सीमेंट, बालू जैसे सामानों की ट्रकों से आवाजाही पर पूर्ण रूप से रोक।

सीजन का पहला कोहरा छाया 8 जिलों में गहरी धुंध का अलर्ट

10 मीटर से भी कम दृश्यता, यात्रियों को सावधानी बरतने की सलाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार/सोनीपत

प्रदेश में शनिवार को सीजन का पहला कोहरा छाया। इस दौरान सोनीपत-पानीपत, फरीदाबाद व अन्य जिलों में विजिबिलिटी बेहद कम रही। मौसम विभाग ने भी 8 जिलों पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, करनाल, कैथल, जींद और सोनीपत में गहरी धुंध का अलर्ट जारी किया है। यात्रियों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। सोनीपत में सुबह विजिबिलिटी 10 मीटर से भी कम रही। वहीं फरीदाबाद के ग्रामीण इलाकों में भी कोहरा देखा गया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, 16 दिसंबर से एक बार फिर उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में स्थिरता बने रहने की संभावना है, जिससे राज्य में हल्की ठंड का असर जारी रहेगा। हरियाणा में 24 घंटों के दौरान औसत न्यूनतम तापमान में 0.6 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि, मौसम विभाग के अनुसार तापमान सामान्य सीमा के आसपास ही बना हुआ है। राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान 6.3 डिग्री सेल्सियस हिसार में दर्ज किया गया। यह सामान्य से 1.8 डिग्री नीचे है। वहीं, करनाल में न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री, महेंद्रगढ़ में 6.7 डिग्री, रोहतक में 8.2 डिग्री और अंबाला में 10.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री कम

मौसम विभाग के अनुसार, हरियाणा के अधिकांश जिलों में तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री कम बना हुआ है। अगले कुछ दिनों में सुबह और रात के समय कोहरा बढ़ने की संभावना है, जिससे ठंड का असर और तेज महसूस होगा। बीती रात को भिवानी में न्यूनतम तापमान 9.5 डिग्री, सिरसा में 7.6 डिग्री, फरीदाबाद में 8.8 डिग्री, और गुरुग्राम में 8.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

फसलों के लिए नुकसानदायी मौसम

मौसम का मिजाज गर्म रहने से किसानों की चिंता बढ़ रही है। दिन के समय गर्म मौसम सरसों की अगेती फसल को नुकसान पहुंचा सकता है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार सामान्य से अधिक तापमान फसलों में रोग पैदा कर सकता है, इसलिए फसलों को पानी लगाना जरूरी है। बड़े किसानों के लिए सीमित बिजली के कारण दोनों फसलों की एक साथ सिंचाई करना मुश्किल साबित हो रहा है। शनिवार को शाम के समय आंशिक बादल छाने से उन्हें मौसम में बदलाव की उम्मीद नजर आने लगी है। अगर इस समय बारिश होती है, तो इससे दोनों फसलों को अच्छा फायदा हो सकता है।

पांचवीं तक के स्कूलों में हाइब्रिड मोड में होगी पढ़ाई

दिल्ली-एनसीआर में शनिवार को प्रदूषण पीक पर पहुंच गया। हालात बेहद गंभीर हो गए। वायु गुणवत्ता में अचानक आई गिरावट को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने तत्काल प्रभाव से ग्रैप-4 लागू कर दिया है। इसके तहत पांचवी कक्षा तक के विद्यालयों में पढ़ाई 'हाइब्रिड मोड' में कराया जाना और निर्माण एवं विध्वंस कार्यों पर प्रतिबंध लगाया जाना शामिल हैं। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में कई जगहों पर एक्यूआई 450 से अधिक दर्ज किया गया। आनंद विहार में 488और बवाना में 496 के स्तर पर पहुंच गया। इसे अत्यधिक गंभीर माना जाता है।

डॉक्टरों की चेतावनी, सुबह-शाम सैर करने से बचें

विशेषज्ञों के अनुसार प्रदूषण का यह स्तर लंबे समय तक रहने पर दमा, फेफड़ों की बीमारी, दिल की समस्या और बच्चों-बुजुर्गों को गंभीर स्वास्थ्य जोखिम हो सकते हैं। लगातार बढ़ते प्रदूषण के चलते अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है. डॉक्टरों ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि सुबह और देर शाम खुली हवा में घूमने से बचें, घर से बाहर निकलते समय मास्क का प्रयोग करें।

पुलिस के हाथ लगी बड़ी सफलता...

रोहित धनखड़ हत्याकांड : 3 आरोपी बेंगलुरु से गिरफ्तार

दो सगे भाई सहित तीनों आरोपी तिगड़ाना के रहने वाले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी/रोहतक

पुलिस की सीआईए स्टाफ प्रथम टीम ने रोहतक के हिमायुपुर गांव के बॉडी बिल्डर रोहित धनखड़ के हत्यारों को बेंगलुरु से पकड़ा है। तीनों आरोपी गांव तिगड़ाना के रहने वाले है, जिनमें दो सगे भाई व तीसरा अन्य युवक शामिल है। आरोपी घटना के बाद से ही फरार चल रहे थे। पुलिस आरोपियों को बेंगलुरू से लेकर भिवानी पहुंची। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस की सीआईए टीम प्रथम द्वारा पकड़े गए आरोपियों की पहचान गांव तिगड़ाना निवासी वरूण पुत्र ओमपाल, तरूण पुत्र ओमपाल तथा दीपक पुत्र अजीत निवासी गांव तिगड़ाना के रूप में पहचान हुई है।

छेड़छाड़ का विरोध करने पर किया हमला

27 नवम्बर को गांव हिमायुपुर रोहतक निवासी बॉडी बिल्डर रोहित धनखड़ अपने दोस्त बौंद कला निवासी जतिन के साथ शादी समारोह में कन्यादान करने के लिए गांव रिवाड़ी खेड़ा गया था। रात को करीब 10 बजे के आसपास बारात में आए कुछ युवकों ने महिलाओं के साथ अश्लील शब्द कहने शुरू कर दिए। इसका रोहित ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ झगड़ना शुरू कर दिया। उस दौरान मामला शांत हो गया। करीब 11 बजे के आसपास रोहित अपने दोस्त जतिन के साथ स्कार्पियों गाड़ी में सवार होकर अपने घर लौटने लगे तो रेवाड़ी खेड़ा गांव से बामला रोड पर रेलवे फाटक के समीप बारात में आए युवकों ने उनकी स्कार्पियों गाड़ी को टक्कर मार दी। उसके बाद आरोपियों ने रोहित के सिर व शरीर पर अनेक जगहों पर चोट मारी। बाद में इलाज के दौरान रोहित की मौत हो गई।

रांची में इमरजेंसी लैंडिंग

रनवे से टकराया विमान का पिछला हिस्सा, हादसा टला

रांची (एजेंसी)। रांची एयरपोर्ट पर शुक्रवार शाम इंडिगो एयरलाइंस के एक विमान के साथ लैंडिंग के दौरान हादसा हो गया। अधिकारियों के अनुसार विमान का पिछली हिस्सा (टेल) रनवे से टकरा गया। हालांकि, विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं और किसी को चोट नहीं आई है। यह घटना शुक्रवार शाम करीब 7:30 बजे हुई, जब भुवनेश्वर से रांची आ रही इंडिगो की फ्लाइट लैंड कर रही थी। विमान में उस समय करीब 70 यात्री सवार थे। लैंडिंग के दौरान विमान का पिछला हिस्सा रनवे से छू गया।

विमान में उस समय करीब 70 यात्री सवार थे

रेलूराम पूनिया हत्याकांड

आरोपी संजीव जेल से रिहा 50,000 का बेल बॉन्ड भरा

हिसार। हरियाणा के बहुचर्चित पूर्व विधायक रेलूराम हत्याकांड के आरोपी दामाद संजीव की हाईकोर्ट के आदेश के बाद रिहाई हो गई। यमुनानगर में व्यासपुर कोर्ट में परिवार ने 50 हजार का बेल बॉन्ड भरा। शाम 4 बजे संजीव की करनाल जेल से बाहर आया। 23 अगस्त 2001 में हिसार के लितानी गांव में फॉर्म हाउस में छोटी बेटी सोनिया ने पति संजीव के साथ मिलकर प्रॉपर्टी के लालच में पिता रेलूराम पूनिया (50), उनकी पत्नी कृष्णा देवी (41), बच्चे प्रियंका (14), सुनील (23), बहू शकुंतला (20), पोता लोकेश (4) और दो पोतियों शिवानी (2) तथा 45 दिन की प्रीति की हत्या कर दी थी।

पत्नी संग ससुर समेत 8 लोगों की हत्या की थी

योगी बने प्रस्तावक

पंकज चौधरी होंगे यूपी भाजपा के नए अध्यक्ष

लखनऊ। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी यूपी भाजपा के नए अध्यक्ष होंगे। उन्होंने शनिवार को लखनऊ में भाजपा कार्यालय में नामांकन दाखिल किया। चौधरी के अलावा किसी और ने नामांकन नहीं किया। ऐसे में पीएम मोदी-अमित शाह के करीबी चौधरी का निर्विरोध अध्यक्ष चुना जाना तय है। सीएम योगी, दोनों डिप्टी सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत 10 नेताओं ने चौधरी के नाम का प्रस्ताव रखा। अब रविवार को लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल नए अध्यक्ष के नाम का ऐलान करेंगे। *(पेज-3 भी देखें)*

किसी और ने नामांकन नहीं किया, निर्विरोध चुना जाना तय

सहपाठी पर लगा आरोप, पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज

आरोपी ने धमकी भी दी, परिजनों के पूछने पर हुआ खुलासा

शॉपिंग मॉल की छत पर 9वीं की छात्रा के साथ दुष्कर्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

कुंडली थाना क्षेत्र के शॉपिंग मॉल की छत पर नौवीं कक्षा की छात्रा के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। दुष्कर्म का आरोप उसके सहपाठी पर लगा है। कुंडली थाना पुलिस ने किशोर के खिलाफ 4 व 6 पॉक्सो अधिनियम में प्राथमिकी दर्ज की गई है। किशोर की तलाश की जा रही है। राई थाना क्षेत्र के गांव की महिला ने कुंडली थाना पुलिस को बताया कि उनकी नाबालिग बेटी 9वीं कक्षा में पढ़ती है। छात्रा के साथ गांव का किशोर भी पढ़ता है। दोनों के बीच बोलचाल थी। आरोप है कि सहपाठी ने उनकी बेटी को मॉल में घूमाने का झांसा दिया। वह उनकी बेटी को कुंडली क्षेत्र के शॉपिंग मॉल में ले आया। जहां वह उनकी बेटी को मॉल की छत पर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। बेटी को धमकी देकर डराया गया। जब बेटी परेशान दिखाई दी तो परिजनों ने उससे बातचीत की। जिस पर बेटी ने घटना के बारे में बताया।

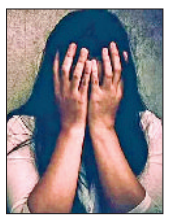

मेडिकल करवाया

परिजनों ने कुंडली थाना पुलिस में शिकायत दी। कुंडली थाना पुलिस ने नाबालिग का मेडिकल कराया। पुलिस ने किशोर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली। थाना प्रभारी सेठी मलिक ने बताया कि किशोर को जल्द अभिरक्षा में लिया जाएगा। उससे पूछताछ की जाएगी।

केरल निकाय चुनाव: तिरुवनंतपुरम में भाजपा की ऐतिहासिक जीत, पीएम बोले-यह वाटरशेड मोमेंट

केरल में खिल गया 'कमल'

तिरुवनंतपुरम/नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल की राजनीति में बड़ा राजनीतिक भूचाल देखने को मिला है। स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों में भारतीय जनता पार्टी ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम में ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) से सत्ता छीन ली है। यह वही निगम है, जिस पर एलडीएफ पिछले चार दशकों से अधिक समय तक लगातार काबिज रहा था। तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्ड में से भाजपा को 50 वॉर्ड में बंपर जीत हासिल हुई है। भाजपा निगम में निर्णायक बहुमत से महज एक सीट पीछे है। 45 साल से इस नगर निगम में काबिज एलडीएफ को 29 और यूडीएफ को 19 वॉर्ड में जीत मिली है। दो वार्डों में निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है।

चार दशक पुराने वाम लोकतांत्रिक मोर्चे का किला ढहा

भाजपा की जीत ने राज्य की राजनीति में नए समीकरणों को जन्म दिया

राजधानी में यह सत्ता परिवर्तन वाम मोर्चे के लिए बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है। साथ ही, इसे केरल में भाजपा के लिए भविष्य की राजनीति का मजबूत आधार माना जा रहा है। तिरुवनंतपुरम न सिर्फ केरल की प्रशासनिक राजधानी है, बल्कि राजनीतिक दृष्टि से भी बेहद अहम क्षेत्र माना जाता है। इसी लोकसभा सीट से कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर लगातार चार बार सांसद चुने जा चुके हैं, जिससे यह क्षेत्र लंबे समय से कांग्रेस और वाम मोर्चे के प्रभाव वाला माना जाता रहा है।

हाईकोर्ट ने कर्मचारियों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बताया, भुगतान न करना बड़ी लापरवाही

समान परिस्थितियों में अन्य कर्मचारियों को लाभ मिला

सेवानिवृत्त कर्मचारियों की रोकी गई छुट्टी नकदीकरण राशि पर मिलेगा ब्याज

स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने वालों को इससे वंचित रखा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के अधिकारों को लेकर एक अहम फैसला सुनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि वैधानिक सेवानिवृत्ति लाभों के भुगतान में की गई देरी को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। जस्टिस हरप्रीत सिंह बराड़ की एकल पीठ ने कहा कि स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने वाले कर्मचारियों की प्रिविलेज लीव नकदीकरण राशि को समय पर न देना न केवल प्रशासनिक लापरवाही है, बल्कि कर्मचारियों के मौलिक अधिकारों का भी उल्लंघन है।यह फैसला अजीत सिंह व अन्य द्वारा दायर अलग-अलग याचिकाओं पर सुनाया गया।

न्यायोचित कारण के बिना वंचित रखा

याचिकाकर्ताओं ने अदालत को बताया कि उन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली थी, लेकिन इसके बावजूद बैंक/प्राधिकरण द्वारा उनकी छुट्टी नकदीकरण की वैध राशि रोक ली गई। कर्मचारियों का यह भी कहना था कि समान परिस्थितियों में अन्य कर्मचारियों को यह लाभ दे दिया गया, जबकि उन्हें बिना किसी ठोस और न्यायोचित कारण के वंचित रखा गया। सुनवाई के दौरान बैंक की ओर से 13 दिसंबर 2024 के एक पूर्व आदेश का हवाला देते हुए बताया गया कि एक याचिकाकर्ता को भुगतान कर दिया गया है और शेष को भी जल्द भुगतान कर दिया जाएगा। हालांकि, बाद में यह तथ्य सामने आया कि मूल राशि तो दी गई, लेकिन लंबे समय तक रोके रखने के बावजूद उस पर कोई ब्याज अदा नहीं किया गया। इस पर हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि देरी की भरपाई केवल ब्याज देकर ही की जा सकती है।

6 % वार्षिक ब्याज देना होगा

कोर्ट ने अपने विस्तृत आदेश में सुप्रीम कोर्ट के एक महत्वपूर्ण निर्णय का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि सेवानिवृत्ति लाभों के भुगतान में दो महीने से अधिक की देरी होती है, तो कर्मचारी ब्याज पाने का पूर्ण अधिकारी है। अदालत ने टिप्पणी की कि सेवानिवृत्ति के बाद कर्मचारी को अपने पैसों पर पहला और वैधानिक अधिकार होता है। हाईकोर्ट ने याचिकाओं को स्वीकार करते हुए निर्देश दिया कि याचिकाकर्ताओं को छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से भुगतान किया जाए। यह ब्याज उनकी स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की तारीख से दो महीने बाद से लेकर वास्तविक भुगतान की तारीख तक देय होगा। साथ ही अदालत ने स्पष्ट आदेश दिया कि पूरी राशि तीन सप्ताह के भीतर अदा की जाए।

खबर संक्षेप

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को संत कबीर कुटीर में प्रदेश भर से आए लोगों की शिकायतें सुनीं व समाधान के निर्देश दिए।

ओल्ड फरीदाबाद के विकास का रोडमैप तैयार

चंडीगढ़। ओल्ड फरीदाबाद केवल एक क्षेत्र नहीं, बल्कि उनका घर है, जहां की गलियों में खेलते हुए, बुजुर्गों की उंगली पकड़कर चलना उन्होंने सीखा। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, शहरी स्थानीय निकाय एव नागरिक उड्डयन मंत्री विपुल गोयल ने शनिवार को वार्ड नंबर 31, बाढ़ मोहल्ला में महार्षि वाल्मीकि सामुदायिक भवन पुनः निर्माण एवं बस्सा पाड़ा में आरएमसी सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास का रोडमैप तैयार है।

मार्च 2026 तक एम्स में शुरू हो जाएगी ओपीडी

चंडीगढ़। केंद्रीय सांख्यिकी, कार्यक्रम एवं कार्यान्वयन एवं योजना राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने शनिवार को गांव माजरा में निर्माणाधीन अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का निरीक्षण कर जायजा लिया। केंद्रीय मंत्री ने दी गई गाइडलाइन के तहत मार्च-2026 तक एम्स में ओपीडी शुरू करने के निर्देश दिए।उन्होंने एम्स और एजेंसी के अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी दिए।

सांसद खेल महोत्सव के ग्रैंड फिनाले में पहुंचे सीएम, देखा कबड्डी मैच

धाकड़ किसान, जवान और पहलवानों की धरा है हरियाणा : नायब सिंह सैनी

सीएम बोले- सांसद खेल महोत्सव युवाओं को स्वस्थ, अनुशासित और आत्मनिर्भर बनाने का जन-आंदोलन बन चुका। महोत्सव में 45 हजार ने रजिस्ट्रेशन करवाया, 3604 खिलाड़ी फाइनल मुकाबले खेलेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक व्यापक स्वास्थ्य उत्सव है, जो युवाओं को सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा धाकड़ किसान, जवान और पहलवान की धरा है। यह महोत्सव खेलो इंडिया और फिट इंडिया अभियानों को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान करते हुए युवाओं को स्वस्थ, अनुशासित और आत्मनिर्भर बनाने का जन-आंदोलन बन चुका है। मुख्यमंत्री शनिवार को फतेहाबाद के एमएम कॉलेज में सांसद खेल महोत्सव के ग्रैंड फिनाले समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने की। उन्होंने सीएम का पगड़ी पहनाकर और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।

प्रधानमंत्री खेल प्रतियोगिता के निर्देश दिए

मुख्यमंत्री ने फाइनल मुकाबलों का विधिवत आगाज किया। उन्होंने इस दौरान सिरसा और फतेहबाद की टीम के बीच हुए कबड्डी मैच को भी देखा, तथा खिलाड़ियों से मिलकर उनकी हौंसला अफजाई भी की। सिरसा लोकसभा की 9 विधानसभाओं के 45 हजार खिलाड़ियों ने सांसद खेल महोत्सव के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया था। इनमें से 3604 खिलाड़ी अलग अलग प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबलों में शामिल होंगे। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव से सिरसा लोकसभा क्षेत्र देश के टॉप-10 लोकसभा क्षेत्रों में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि कई बार इंसान के अंदर हुनर होने के बाद भी अवसर न मिलने से वह कामयाबी की सीढ़ी नहीं चढ़ पाता। इस बात को समझते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सांसद खेल स्पर्धा करवाने के निर्देश दिए हैं।

ओलंपिक 2036 में भारत को खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि 11 साल पहले हरियाणा में खेलों के लिए एक विजन विकसित किया था। वह विजन था हर बच्चे को खेल से जोडने का, हर गांव में खेल का मैदान बनाने का और हर उस युवा को अवसर देने का, जिसमें खेल के प्रति ललक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ओलम्पिक 2036 में भारत को खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा धाकड़ जवान, धाकड़ किसान व धाकड़ पहलवान की धरा है।

अर्जुन व द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित खिलाड़ी पहुंचे

इस अवसर पर अर्जुन अवॉर्डी और द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित खिलाड़ी अखिल कुमार, मनोज कुमार, राज कुमार सांगवान, अनूप सिंह, जय भगवान, अशोक कुमार, सुमित मलिक, सुंदर सिंह, अनूप कुमार, दीपक कुमार, जसबीर सिंह, संदीप नरवाल, साक्षी कुमारी, भीम सिंह, बबीता फौगाट, ओम प्रकाश दहिया, अनूप सिंह, आदि मौजूद रहे। इसके अलावा पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, उपायुक्त डॉ. विवेक भारती व अन्य मौजूद रहे।

16418 खिलाड़ियों को 683 करोड़ नकद दिए

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्कृष्ट खिलाडियों के लिए सुरक्षित रोजगार सुनिश्चित करने के लिए 'हरियाणा उत्कृष्ट खिलाड़ी सेवा नियम 2021' बनाये हैं। इसके तहत खेल विभाग में 550 नए पद बनाये गये। सरकार ने 231 खिलाडियों को सरकारी नौकरी दी है। सरकार पदक जीतने वाले खिलाडियों को 6 करोड़ रुपये तक के नकद पुरस्कार देती हैं। इसके तहत अब तक 16 हजार 418 खिलाडियों को 683 करोड़ 15 लाख रुपये के नकद पुरस्कार दिए हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 298 खिलाडियों को मानदेय भी दिया जा रहा है।

8 परियोजनाओं का किया उद्घाटन व शिलान्यास

फतेहाबाद दौरे के दौरान सीएम ने अनेक विकास परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास किये। मुख्यमंत्री ने ये उद्घाटन एवं शिलान्यास फतेहाबाद में आयोजित सिरसा लोकसभा के सांसद खेल महोत्सव कार्यक्रम के दौरान किये। जिन परियोजनाओं का उद्घाटन हुआ, उनमें 10 करोड़ 42 लाख 13 हजार रुपये की लागत से टोहाना का नया बस स्टैंड, नगर पालिका जाखल मंडी क्षेत्र में 7 करोड़ 5 लाख रुपये की राशि से मल्टी कॉम्प्लेक्स और गांव म्योंद में 5 करोड़ 68 लाख रुपये की राशि से 33 केवी सब स्टेशन शामिल है। सीएम ने 5 करोड़ 26 लाख 90 हजार रुपये की जिला की कुल पांच परियोजनाओं का शिलान्यास किया है।

बजट में शिक्षा विभाग के लिए की घोषणाओं की सीएम ने की समीक्षा

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यहां चंडीगढ़ सिविल सचिवालय में शिक्षा विभाग से संबंधित मुख्यमंत्री घोषणाओं और बजट घोषणाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक की। इस दौरान विभागीय अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं, परियोजनाओं और घोषणाओं की अब तक की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी घोषणाओं को प्राथमिकता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए, ताकि सरकार द्वारा जनता से किए गए वादों को पूरी पारदर्शिता और दक्षता के साथ धरातल पर उतारा जा सके। बैठक में जानकारी दी गई कि बजट घोषणा की 15 घोषणाओं में से 6 को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है, जबकि शेष 9 घोषणाओं पर कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसके साथ ही सीएम घोषणाओं में से 48 घोषणाएं वर्तमान में लंबित हैं।

लोगों की सुरक्षा और रक्षा करने का काम पुलिस कर रही

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का कहना है कि हर व्यक्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी पुलिस की है। किस व्यक्ति को कितनी सुरक्षा दी जानी है, सुरक्षा दी भी जानी है या नहीं यह सारा कुछ पुलिस अफसर देख रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सुरक्षा वापस किए जाने के मामले में उनके कुछ भी मालूम नहीं है। सीएम ने कहा कि हमारी पुलिस बेहद मजबूती और गंभीरता से काम करने में जुटी हुई है। मुझे इसके बारे में जानकारी नहीं है कि किसको कितनी सुरक्षा दी गई है और किसकी वापस ली गई है। पुलिस अफसरों का यह काम है, वे अपने स्तर पर सुरक्षा देने और वापस लेने का काम कर सकते हैं। यहां पर बता दें कि पूर्व डिप्टी के भाई दिग्विजय चौटाला द्वारा डीजीपी के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया गया है।

लाल बत्ती के वीआईपी दुरुपयोग पर हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में एक याचिका दायर कर पंजाब, हरियाणा सरकार और चंडीगढ़ यूटी प्रशासन के खिलाफ अवमानना कार्रवाई की मांग की गई है। आरोप है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले और केंद्र सरकार की अधिसूचना के बावजूद निजी और सरकारी वाहनों पर लाल-नीली-सफेद आपातकालीन बत्तियों का खुलेआम दुरुपयोग हो रहा है। याचिका अधिवक्ता निखिल सराफ ने दाखिल की है। उनका कहना है कि इन बत्तियों का इस्तेमाल वीआईपी स्टेटस दिखाने के लिए किया जा रहा है, जो कानून और न्यायिक आदेशों का सीधा उल्लंघन है।याचिकाकर्ता के अनुसार, उन्होंने कई बार अधिकारियों को निजी कार्यक्रमों में जाते समय, शादियों में शामिल होते हुए, शापिंग माल, सुखना लेक पर मॉर्निंग वाक के दौरान और यहां तक कि हाई कोर्ट में पेशी के लिए आते समय भी वाहनों पर रूफटाप बीकन लाइट का इस्तेमाल करते देखा।

हाईकोर्ट ने सीवर सहायक को नियमित करने का आदेश दिया

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को 1997 से दैनिक वेतन पर कार्यरत एक महिला सीवर सहायक की सेवाओं को नियमित करने का आदेश देते हुए स्पष्ट किया है कि बाद में किसी नीति को वापस लेने से पहले से अर्जित अधिकार समाप्त नहीं हो सकते। न्यायालय ने कहा कि 2003–2004 की नियमितीकरण नीतियों के तहत याचिकाकर्ता का अधिकार बहुत पहले ही परिपक्व हो चुका था और राज्य अब उससे पीछे नहीं हट सकता। कोर्ट ने माना कि वर्षों तक अनिश्चितता, आर्थिक असुरक्षा और अपमान झेल चुके इस वर्ग के प्रति उदासीन रहना न्याय के सिद्धांतों के विपरीत होगा। जस्टिस संदीप मौदगिल ने कहा कि भले ही लंबे समय से चली आ रही पीड़ा की पूरी भरपाई संभव न हो, लेकिन न्याय की मांग है कि कम से कम एक सार्थक और प्रभावी राहत दी जाए।

स्मार्ट सिटी मिशन को लेकर सांसद सैलजा ने लोकसभा में उठाया सवाल

नई दिल्ली। लोकसभा में स्मार्ट सिटी मिशन की धीमी प्रगति पर गंभीर प्रश्न उठाते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि

मिशन के तहत करनाल और फरीदाबाद में 577 करोड़ रुपये की 22 परियोजनाएं अभी भी अधूरी पड़ी हैं, जबकि इनकी तय समयसीमा दिसंबर 2025 रखी गई थी। सांसद कुमारी सैलजा की ओर से पूछे गए प्रश्न के उत्तर में केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू ने स्वीकार किया कि दोनों शहरों में कुल 161 परियोजनाएं स्वीकृत थीं, जिनकी लागत 2,136 करोड़ रुपये है। इनमें से 139 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, और अब तक 1,559 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। शेष 22 परियोजना लगभग 577 करोड़ रुपये की निर्माणाधीन हैं। मंत्री ने यह भी बताया कि करनाल और फरीदाबाद ने मिलकर 980 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता का दावा किया था, जिनमें से 921 करोड़ रुपये का उपयोग किया गया है।

'ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन' में अब तक 2000 पकड़े

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस का राज्यव्यापी अभियान 'ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन' लगातार नई सफलताओं की ऊंचाइयां छू रहा है। अपराध और नशे के नेटवर्क को जड़ से समाप्त करने के

संकल्प के तहत 12 दिसंबर को पुलिस ने पूरे प्रदेश में एक साथ 805 नशा और जुआ हॉटस्पॉट्स पर दबिश दी। इस कार्रवाई में 210 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 69 नए मामले दर्ज किए गए। पिछले 12 दिनों में पुलिस ने 1117 एफआईआर दर्ज कर 2006 अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 430 हिंसक अपराधी और अवैध हथियार रखने वाले 139 आरोपी शामिल हैं। इस अवधि में अवैध हथियार रखने के 99 नए मामले दर्ज किए गए। साथ ही हरियाणा पुलिस ने अंतरराज्यीय अपराध नियंत्रण को सशक्त करते हुए अन्य राज्यों के साथ 606 इंटेलिजेंस रिपोर्ट्स साझा कीं ताकि अपराधी राज्य की सीमाओं को पार न कर सके।

दिग्विजय चौटाला पर बरसे मंत्री बेदी

चंडीगढ़। प्रदेश सरकार के मंत्री और वरिष्ठ नेता कृष्ण बेदी ने सुरक्षा के मामले में दिग्विजय चौटाला की अनर्गल बयानबाजी पर पलटवार किया है। कृष्ण बेदी ने कहा कि अगर उनको खतरा है, तो सुरक्षा के लिए आवेदन करें सरकार विचार करेगी। इन लोगों ने तो स्वर्गीय पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला को भी नहीं बख्शा। बेदी ने कहा कि सरकार के गनर को दिग्विजय चौटाला व उसका परिवार इसलिए ले रहे हैं, क्योंकि लोगों में टोर बना सके। दुष्यंत और इनकी 90 में 83 सीटों पर जमानत जब्त हुई है। सुरक्षा के अपने पैरामीटर हैं, सुरक्षा विधायक, सांसदों, राज्यसभा सांसद, सीएम और राज्यपाल को देनी है।

हरियाणा सरकार

क्या आप शीत लहर / ठंड से बचाव के लिए तैयार हैं ?

शीतलहर और ठंड से बचने के उपाय

- मौसम संबंधी जानकारी के लिए रेडियो सुनें, टी.वी. देखें या समाचार-पत्र पढ़ें।
- यथा संभव घर के अंदर रहें, ठंडी हवा से बचने के लिए केवल आवश्यक यात्रा ही करें।
- भारी कपड़ों की एक परत के बजाय हल्के, ढीले, विंडप्रूफ ऊनी कपड़ों की कई परत पहनें। बाहर निकलते समय अपने सिर, चेहरे, हाथों और पैरों को भी उपयुक्त गर्म कपड़े से ढकें।
- शरीर में ऊष्मा का प्रवाह बनाए रखने के लिए पोष्टिक आहार जैसे कि विटामिन C से भरपूर स्वस्थ आहार, फल एवं सब्जियों का सेवन करें।
- शरीर का तापमान बनाए रखने के लिए नियमित रूप से गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- अपने शरीर को सूखा रखें। यदि गीले हो जाएं, तो शरीर की गर्मी को बचाने के लिए शीघ्रता से कपड़े बदलें।
- बुजुर्गों और बच्चों की ठीक से देखभाल करें और अनावश्यक घर से बाहर न जाने दें।
- शराब का सेवन न करें। यह आपके शरीर के तापमान को कम करता है।
- कंपकपी को नजरअंदाज न करें। यह एक महत्वपूर्ण पहला संकेत है कि शरीर गर्मी खो रहा है और प्रभावित व्यक्ति को तुरंत घर के अंदर ले आना चाहिए।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में आने से त्वचा का रंग पीला, सख्त और सुन्न हो सकता है और अंगूठे, पैर की अंगुलियां, नाक या कान की लोब जैसी शरीर की खुली जगहों पर काले घाव हो सकते हैं। यदि ऐसा हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।
- कम तापमान में अपने पालतू जानवरों का ध्यान रखें और उन्हें घर के अंदर रखें। यदि कोई स्वास्थ्य समस्या उत्पन्न हो, तो पशु चिकित्सक से संपर्क करें।
- राज्य सरकार द्वारा ठंड के समय शहरी क्षेत्रों में बेघरों के लिए रैन बसेरों का प्रबंध किया जाता है, जहाँ कंबल/बिस्तर आदि उपलब्ध रहते हैं। जरूरत के समय इन सुविधाओं का उपयोग करके ठंड से बचा जा सकता है।

हाइपोथर्मिया (शरीर के तापमान के कम होने) की स्थिति में, निम्नलिखित कदम तुरंत उठाएं

- व्यक्ति को गर्म स्थान पर ले जाएं और कपड़े बदलें।
- व्यक्ति के शरीर को त्वचा से त्वचा के संपर्क, सूखे कंबल, कपड़े, तौलिये या चादरों से गर्म करें।
- शरीर के तापमान को बढ़ाने में मदद के लिए गर्म पेय दें। शराब न दें।
- यदि स्थिति बिगड़ती है तो तुरंत चिकित्सा सहायता प्राप्त करें।

आपातकालीन स्थिति में 112 डायल करें

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, हरियाणा द्वारा जनहित में जारी।

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

कार्यवाहक डीजीपी की सेवानिवृत्ति इसी माह

डीजीपी शत्रुजीत कपूर की छुट्टी खत्म, सरकार पर लगीं नजरें

योगेंद्र शर्मा ⏭ चंडीगढ़

आखिरकार सूबे के डीजीपी शत्रुजीत कपूर की छुट्टी की अवधि समाप्त होने में एक दिन शेष रह गया है। दूसरी ओर कार्यवाहक डीजीपी ओपी सिंह सहित तीन अफसरों की रिटायरमेंट इसी माह 31 दिसंबर को तय है। आईजी वाई पूर्ण कुमार सुसाइड केस में नाम आने के बाद अवकाश पर भेजे शत्रुजीत कपूर की छुट्टी समाप्त हो रही है, सभी की नजरें बड़ी कुर्सी और सरकार की तरफ लगी हुई हैं। सूबे के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कपूर को बतौर डीजीपी ही आगे काम करने का मौका देंगे या फिर किसी अन्य विभाग में कपूर को समायोजित (एडजस्ट) करने का कदम उठाया जाता है। कुल मिलाकर कपूर की छुट्टी 14 को समाप्त हो रही है, इस तरह सोमवार को वे ज्वाइन करेंगे। राज्य सरकार के गृह विभाग की ओर से नए डीजीपी के लिए नामों का पैनल बनाकर भेजा गया था। लेकिन उसमें तकनीकी पेंच फंसा और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी)की ओर से वापस कर दिया गया था। आयोग की ओर से कपूर की नियुक्ति के आदेश सेवानिवृत्त होने तक के हुए थे। दूसरी तरफ यह भी साफ किया गया कि क्योंकि प्रदेश के डीजीपी शत्रुजीत कपूर वर्तमान में डीजीपी हैं। जिनकी अवकाश अवधि में डीजीपी पद की कमान बतौर कार्यवाहक ओपी सिंह को सौंपी गई थी। ओपी सिंह की रिटायरमेंट 31 दिसंबर को तय है।

यूपीएसपी का जवाब : कपूर अभी डीजीपी, पैनल वापस भेजा

डीओपीटी की ओर से साफ किया गया है कि शत्रुजीत कपूर राज्य के पुलिस महानिदेशक हैं और अवकाश से लौटने के बाद वे पद पर ज्वाइन करेंगे, ऐसे में सरकार को यह तय करना है कि कपूर को बतौर डीजीपी पद पर रखना है या नहीं अथवा उन्हें किसी दूसरे विभाग में स्थानांतरित किया जाना है। केंद्रीय लोक सेवा आयोग ने हरियाणा सरकार के गृह विभाग की ओर से भेजे गए डीजीपी वाले नामों के पैनल को आपत्तियों के साथ लौटा दिया है। वैसे, इसमें शत्रुजीत कपूर का नाम भी है। कपूर को बतौर डीजीपी बनाए रखना है, या नहीं इस पर सरकार को ही फैसला करना होगा।

आईपीएस आत्महत्या मामले की जांच अधूरी

:प्रदेश के चर्चित आईपीएस वाई पूर्ण कुमार आत्महत्या प्रकरण मामले में नाम आने के बाद में कपूर को राज्य सरकार की ओर से दो माह के अवकाश पर भेज दिया गया था। आईपीएस वाई पूर्ण कुमार आत्महत्या मामले की जांच अभी तक पूरी नहीं हुई है। वहीं सूबे के सियासी और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा है कि शत्रुजीत कपूर का विकल्प भी खोजा जा रहा है। चर्चा है कि केंद्रीय मंत्री और पूर्व सीएम की गुडलिस्ट वाले कई अफसर इस लाइन में लगे हैं।

अक्टूबर 2026 में सेवानिवृत्त होंगे आईपीएस कपूर

शत्रुजीत कपूर की रिटायरमेंट 31 अक्टूबर 2026 को है। शत्रुजीत कपूरके छुट्टी पर जाने के बाद चंडीगढ़ पुलिस अभी तक वाई पूर्ण कुमार की आत्महत्या से जुड़े मामले में जांच पूरी नहीं कर पाई है। भरोसेमंद सूत्रों का कहना है कि एसआईटी के हाथ अहम साक्ष्य लगे हैं। जिसमें कहा गया है कि पूरन कुमार के एक नहीं बल्कि तीन सुसाइड नोट थे, जिन्हें उन्होंने एक बार नहीं, बल्कि अलग-अलग बार इस्तेमाल करना चाहा। बताया जा रहा है कि वाई पूर्ण कुमार आईपीएस सुसाइड मामले में जांच में जुटी एसआईटी भी असमंजस में है कि वाई पूर्ण कुमार की आत्महत्या से जुड़ा मामला सिर्फ हरियाणा के डेढ़ दर्जन आईपीएस और आईएएस अफसरों के नामों का जिक्र सुसाइड नोट में किया गया था। जिसके कारण मामला सिरदर्दी वाला बना है। केस में कई तरह के झोल बताए जा रहे हैं, फिलहाल, इस पर कोई भी कुछ बोलने को तैयार नहीं है, जांच का काम भी जारी है। सुप्रीम कोर्ट प्रकाश सिंह केस के मुताबिक राज्य सरकार को वैकेंसी की पूर्व अनुमानित स्थिति में पुलिस महानिदेशक के नाम के लिए प्रस्ताव भेजना चाहिए।

सत्ता का दुरुपयोग कर सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर रही भाजपा : राव नरेंद्र

चंडीगढ़। दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में कांग्रेस पार्टी की प्रस्तावित वोट चोर, गद्दी छोड़ महारैली देश की राजनीति में एक बड़ा संदेश देने जा रही है। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने इसे लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए निर्णायक कदम बताते हुए कहा कि यह महारैली भाजपा सरकार के कथित दमनचक्र का करारा जवाब बनेगी और राष्ट्रीय राजनीति की दिशा को नया मोड़ देगी। राव नरेंद्र सिंह ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मौजूदा सरकार सत्ता के दुरुपयोग के बल पर देश के सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का असली उद्देश्य लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर संविधान की आत्मा को चोट पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियों का लगातार दुरुपयोग हो रहा है और अब चुनाव आयोग तक को दबाव में लेकर हर राज्य में कथित वोट चोरी के जरिए सत्ता हासिल की जा रही है।

खबर संक्षेप

शराब ठेके पर हाथापाई कर पांच हजार छीने

कनीना। गांव कोका में बने शराब ठेके के सेल्समैन से मारपीट कर नकदी छीनने के आरोप में सदर थाना पुलिस ने एक मालुम सहित तीन नामालुम व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इस बारे में अनिल कुमारी डूमोली, जिला झुंझुनू राजस्थान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शराब ठेके पर बतौर सेल्समैन काम करता है।

राजस्थान का अफीम तस्कर सिरसा में काबू

डबवाली। पुलिस ने गांव चौटाला क्षेत्र से एक तस्कर को करीब पांच लाख रुपये की एक किलोग्राम अफीम सहित गिरफ्तार किया है। कालांवाली सीआईए प्रभारी सुरेश कुमार ने शनिवार को बताया कि तस्कर की पहचान नारायण लाल पुत्र माधव लाल निवासी सुरजनवास, चित्तौड़गढ़ राजस्थान के रूप में हुई है। इसके अलावा पुलस ने गांव सिंघपुरा क्षेत्र से एक हेरोइन तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लाखों रुपये की हेरोइन बरामद की है। आरोपी की पहचान गुरपंथ सिंह उर्फ पंथी पुत्र गुरजीत सिंह उर्फ जीता निवासी त्योणा पुजारिया बठिंडा पंजाब के रूप में हुई है।

संदिग्ध हालात में नव विवाहिता की मौत

झज्जर। संदिग्ध परिस्थितियों में खेड़ी खुम्मार निवासी एक नव विवाहिता की मौत हो गई। अचानक हुई मौत के बाद परिवार में मातम छाया है। मृतका की पहचान करीब बीस वर्षीया अनीता पत्नी गौतम के रूप में हुई है। मामले की जांच अधिकारी मनीषा ने बताया कि अनीता रेवाड़ी जिले के गांव खिजूरी की रहने वाली थी। उसकी शादी करीब एक माह पहले खेड़ी खुम्मार निवासी युवक गौतम के साथ हुई थी। परिजनों के अनुसार अनीता को शुक्रवार की रात अचानक पेट में दर्द उठा तो वे उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों के बयान पर इस संबंध में इत्तिफाकियार कार्रवाई की गई है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

कार रोक लाठी-डंडों व लोहे की रॉड से हमला

सोनीपत। गांव असावरपुर में कार रोककर युवक और उनके दोस्त पर लाठी-डंडों व लोहे की रॉड से हमला करने का मामला सामने आया है। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव असावरपुर निवासी साहिल ने राई थाना पुलिस को बताया कि किसान है। 11 दिसंबर की रात करीब साढ़े आठ बजे वह अपने दोस्त गांव के ही सन्नी के साथ कार में सवार होकर गांव राई से घर लौट रहे थे। शिव मंदिर के पास कार आगे अड़ाकर रास्ता रोक कर हमला बोल दिया।

रोहित धनखड़ हत्याकांड: रोहतक में महापंचायत, 11 सदस्यों की कमेटी बनाई, आंदोलन की तैयारी

सीएम से मुलाकात करेगी कमेटी, केस को रोहतक ट्रांसफर करवाया जाए

16 तक कार्रवाई नहीं तो जुटेंगी देशभर की खाप पंचायतें, एक करोड़ और नौकरी की भी मांग

महापंचायत शुरू होने से पहले पुलिस ने कर्नाटक से तीन आरोपी पकड़े

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

गांव हमायुपुर निवासी इंटरनेशनल बॉडी बिल्डर रोहित धनखड़ की हत्या के मामले में शनिवार को रोहतक में महापंचायत हुई, इसमें मुख्यमरुप से चार निर्णय लिए गए। 16 दिसंबर तक कार्रवाई नहीं तो देशभर की खाप पंचायतें जुटेंगी और परिजन को एक करोड़ की मदद और नौकरी की भी मांग की गई है। महापंचायत में 11 सदस्यों की कमेटी बनाई जो आंदोलन की तैयारी की रूपरेखा तय करेगी। वहीं, पुलिस ने हत्याकांड में शामिल तीन आरोपियों को बेंगलुरु से गिरफ्तार कर लिया है। जाट भवन में एक बड़ी पंचायत में कहा गया कि अगर सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की गई। पंचायत में यह भी मांग उठाई गई कि रोहित धनखड़ के परिवार को एक सदस्य के लिए सरकारी नौकरी दी जाए और एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। वक्ताओं ने कहा कि रोहित अपने परिवार का इकलौता सहारा था और उसकी हत्या से परिवार पूरी तरह टूट गया है।

रोहतक। जाट भवन में पंचायत में जुटे समाज के जाने माने लोग। फोटो : हरिभूमि

महापंचायत में लिए गए चार बड़े फैसले

हुड्डा खाप के प्रधान ओमप्रकाश ने पंचायत के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि महापंचायत में चार अहम निर्णय लिए गए हैं। पहला निर्णय यह है कि यदि 16 दिसंबर तक सभी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो इस मामले की जांच किसी अन्य एजेंसी या जिले में स्थानांतरित की जाए। दूसरा फैसला यह लिया गया कि 16 दिसंबर को सरोहा खाप का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मुलाकात कर इस मामले में सीधा हस्तक्षेप करने की मांग करेगा। तीसरा निर्णय मृतक के परिवार को सरकारी नौकरी और एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने को लेकर है। चौथा और अंतिम निर्णय यह है कि यदि प्रशासन ने तय समयसीमा तक इन मांगों पर कार्रवाई नहीं की, तो इससे भी बड़ी महापंचायत बुलाकर आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

भिवानी में हुई थी हत्या

रोहित धनखड़ की मां सरोज ने भिवानी सदर थाना में दी शिकायत में बताया कि उनका बेटा 28 नवंबर को अपने दोस्त जतिन के साथ भिवानी जिले के रेवाड़ी खेड़ा गांव में एक शादी समारोह में कन्यादान डालने गया था। रात करीब 10 बजे बारात में आए कुछ युवक महिलाओं पर अश्लील टिप्पणियां कर रहे थे। रोहित ने जब इसका विरोध किया तो युवकों के साथ उसका झगड़ा हो गया। विवाद आगे चलकर जानलेवा हमला बन जाएगा।

लौटते वक्त हमला

भिवानी पुलिस के अनुसार, शादी समाप्त होने के बाद जब रोहित और उसका दोस्त जतिन स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार होकर रात करीब 11 बजे घर लौट रहे थे, तभी रेवाड़ी खेड़ा से बामला रोड रेलवे फाटक के पास आरोपियों ने उनकी गाड़ी को पीछे से टक्कर मार दी। इसके बाद आरोपियों ने रोहित को गाड़ी से बाहर खींच लिया और उसके सिर व शरीर पर लाठी-डंडों और अन्य हथियारों से बेरहमी से हमला किया। गंभीर रूप से घायल रोहित को तुरंत रोहतक पीजीआई ले जाया गया, जहां 29 नवंबर को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

परिवार बोला-सर्वखाप का निर्णय स्वीकार

रोहित धनखड़ के चाचा सतीश धनखड़ ने कहा कि डीजीपी की ओर से उन्हें सूचना मिली है कि दो आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया गया कि वे मुख्य आरोपी हैं या अन्य। उन्होंने उम्मीद जताई कि पुलिस तय समय में सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लेगी। परिवार का कहना है कि इस मामले में सर्वखाप जो भी निर्णय लेगी, वह उन्हें स्वीकार होगा।

डीजीपी ने पहले ही लगाई थी फटकार

इस हत्याकांड को लेकर डीजीपी ओपी सिंह पहले भी भिवानी पुलिस को सख्त निर्देश दे चुके हैं। उन्होंने एसपी भिवानी से बातचीत में कहा था कि वारदात के कई दिन बाद भी आरोपियों का न पकड़ा जाना पुलिस के लिए शर्म की बात है। डीजीपी ने निर्देश दिए थे कि यदि आरोपी गिरफ्त में नहीं आते तो उन्हें भगोड़ा घोषित कर उनकी संपत्ति कुर्क की जाए। यह मामला अब केवल एक खिलाड़ी की हत्या नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मुद्दा बन चुका है। आने वाले दिनों में पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई पर पूरे प्रदेश की नजर बनी हुई है।

युवती का शव मिलने से मची सनसनी

गुरुग्राम। मानेसर थाना एरिया के गांव ग्वालियर 20 वर्षीय युवती का शव मिलने से इलाके में सनसनी मच गई। गले पर निशान होने के चलते माना जा रहा है कि युवती की गला घोंटकर कहीं और हत्या की गई है

- गला घोंटकर हत्या कर शव फेंकने की आशंका

और शव को यहां पर फेंका गया है। शव पर की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने केस दर्ज कर शव को मोर्चरी भिजवा दिया और कार्रवाई शुरु कर दी। दरअसल, मानेसर एरिया के गांव ग्वालियर में लोगों ने शनिवार की दोपहर एक युवती का शव पड़ा देखा। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। मानेसर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस की सीन-ऑफ-क्राईम, एफएसएल, फिंगरप्रिंट, डॉग-स्क्वाड व क्राईम की पुलिस टीमों से घटनास्थल व शव का निरीक्षण कराया गया।

दस करोड़ की विदेशी शराब मामले में शॉप मालिक गिरफ्तार

गुरुग्राम। यहां एक वाइन शॉप से पकड़ी गई अवैध विदेशी शराब के मामले में पुलिस ने शॉप मालिक अंकुश गोयल को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस केस में एक आरोपी वाइन शॉप मैनेजर को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। आरोप है कि अंकुश व मैनेजर की देखरेख में ही वाइन शॉप में अवैध विदेशी शराब का जखीरा संग्रहित किया गया था। वहीं 10 करोड़ से अधिक की अवैध विदेशी शराब के मामले में आबकारी विभाग के एक अधिकारी को भी सस्पेंड किया जा चुका है। सिग्नेचर टॉवर स्थित एल-2 व एल-14ए जेडजीआरई-14 मैसर्ज सुरेंद्र की वाइन शॉप में बिना होलोग्राम एवं ट्रैक-ट्रेस स्ट्रिप्स वाली करोड़ों की विदेशी शराब की 3,921 पेटियां व 176 बोतलें संग्रहित की गई हैं।

रतिया में वारदात से हड़कंप

नशे के ओवरडोज से युवक की मौत मामले में एसएचओ लाइन हाजिर

पुष्पा सिहागा होगी नई एसएचओ

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

शहर में नशे की ओवरडोज से एक युवक की मौत के बाद परिजनों द्वारा पुलिस पर नशा तस्करों से मिलीभगत के लगाए गए आरोपों को पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन द्वारा गंभीरता से लिया गया है। रतिया के शहर थाना प्रभारी रणजीत सिंह को एसपी द्वारा लाइन हाजिर कर दिया गया है वहीं उनके स्थान पर महिला इंस्पेक्टर पुष्पा सिहाग को रतिया सिटी थाने का नया एसएचओ लगाया गया है। एसपी ने रतिया पुलिस को नशा तस्करों पर कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए हैं। बता दें कि गत गुरूवार को रतिया में कैटरिंग का काम करने वाले मुकेश मित्तल के इकलौते बेटे 20 वर्षीय अमन की मौत हो गई थी।

अमन सडक़ किनारे अचेत पड़ा मिला था और उसके पास नशे का सामान भी पड़ा था। इसके बाद परिजनों ने उसकी मौत नशे की ओवरडोज से होने की बात कहते हुए पुलिस प्रशासन पर कई आरोप जड़े थे। मृतक युवक के पिता का आरोप था कि एसएचओ को सब पता है कि शहर में कहां-कहां नशा बिक रहा है, लेकिन वह कार्रवाई नहीं करते। उन्होंने मेडिकल स्टोर्स पर भी नशा बिकने का आरोप लगाया था। मुकेश मित्तल ने यहां तक कह दिया था कि अब वह कश्मीर जाकर आतंकवादी बनेंगे और सबसे पहले रतिया सिटी थाना को उड़ाएंगे। उन्होंने एसएचओ रणजीत सिंह के मुंह पर तेजाब तक फेंकने की बात कही थी।

नशीली दवाएं बेची को खैर नहीं: डीएसपी

रतिया में नशे की ओवरडोज से युवक की मौत के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में है। डीएसपी संजय ने आज शहर के सभी मेडिकल स्टोर व क्लिनिक संचालकों की महत्वपूर्ण बैठक नर। बैठक में डीएसपी ने स्पष्ट संदेश दिया कि नशीली दवाओं एवं इंजेक्शन के गलत उपयोग को रोकने के लिए पुलिस अब पूरी सख्ती बरतेगी। डीएसपी ने मेडिकल संचालकों को चेतावनी देते हुए कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बिना वैध डॉक्टर की पर्ची के किसी भी प्रतिबंधित या नशीली दवा की बिक्री पर तुरंत कानूनी एक्शन लिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि बिना डॉक्टर की पर्ची के सिरिंज बेचना भी गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है।

प्री-पेड टेलीग्राम टास्क के नाम पर 9,34000 रुपये की ठगी

फरीदाबाद। टेलिग्राम टास्क के नाम पर ठगी करने के एक साइबर फ्राड मामले में साइबर थाना सैंट्रल की टीम ने खाताधारक व खाता उपलब्ध करवाने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सेक्टर-77 निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना सैंट्रल में दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उसके व्हॉट्सएप पर एक अंजान नंबर से एक लिंक आया। जिस पर पार्ट.टाइम काम के लिए गूगल मेप्स पर रेटिंग और कमेंट करने के लिए कहा गया। जिस पर क्लिक करते ही वह एक टेलीग्राम ग्रुप में जुड गया। उसने टेलीग्राम प्रीपेड टास्क में विभिन्न ट्रांजेक्सन के जरिए कुल 9,34,000 रुपये निवेश किये। परंतु उसे कोई पैसा वापस नहीं मिला। जिस शिकायत पर साइबर थाना सैंट्रल में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। उन्होंने आगे बताया कि साइबर थाना सैंट्रल कि टीम ने करन मीणा व रविन्द्र निवासी गांव मुडरू सीकर राजस्थान को गिरफ्तार किया है।

किन्नरों के दो गुटों में विवाद गहराया

शगुन को लेकर बाहरी और स्थानीय किन्नर गुट भिड़े, कई लहूलुहान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

कार्यक्षेत्र को लेकर किन्नर के दो गुटों में विवाद और गहरा गया है। एक दिन पहले उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने मीडिया की ओर से पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए स्पष्ट कहा था कि बाहरी लोगों को जिले में आकर अशांति नहीं फैलाने दी जाएगी। इस बयान के अगले ही दिन शनिवार को बाहरी गुट से जुड़े किन्नर शहर की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में पहुंचे और शगुन मांगने के लिए मकान पर गए। जब यह बात स्थानीय किन्नर गुट को लगी तो वह पुलिस को साथ लेकर वहां पहुंची। पुलिस को देख दो गाड़ी में सवार बाहरी लोग महेंद्रगढ़ की ओर भागने लगे। इस बीच नसीबपुर के पास दोनों पक्षों में झगड़ा हो गया। आरोप है कि एक गाड़ी में सवार कुछ युवक सवार थे, उनके पास हथियार भी मौजूद थे। समाचार लिखे जाने तक सिटी पुलिस में किन्नर के दोनों पक्ष मौजूद थे और शिकायत देने की प्रक्रिया चल रही थी। मंगलमुखी किन्नर समाज की किन्नर महक ने शुक्रवार रात प्रेसवार्ता की और प्रशासन की ओर से सहयोग मिलने पर धन्यवाद करते हुए सरकार से मांगी की थी कि जो बाहरी किन्नर गुट जिला में आकर अशांति फैलाने का प्रयास कर रहे है, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने बाहरी किन्नर गुट से जुड़े किन्नरों की संपत्ति की जांच करने की भी सरकार से मांग की थी। किन्नर महक का कहना था कि ये लोग स्थानीय किन्नर समाज के कार्यों में हस्तक्षेप कर रहे हैं और इनका मुख्य उद्देश्य कब्जा करना व अवैध वसूली करना है। बहरी किन्नरों की गतिविधियों के कारण स्थानीय किन्नर समाज के लोगों को जान का खतरा बना हुआ है। ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

नारनौल। झगड़े में टूटी बाहरी किन्नर गुट से जुड़ी काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी। फोटो : हरिभूमि

आंखों में मिर्च झोंक कर दुकानदार को लूटा

स्कूटी व दो सिलेंडर ले भागे शातिर, पुलिस जांच में जुटी

बहादुरगढ़। बादली के एक दुकानदार के साथ लूटपाट की वारदात हो गई। रात के अंधेरे में दो शातिरों ने रास्ता रोककर उसकी आंखों में मिर्च पाउडर झोंक दिया। इसके बाद धक्का देकर स्कूटी व दो सिलेंडर ले भागे। पीड़ित दुकानदार की शिकायत पर बादली थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात लाडपुर के निवासी कप्तान सिंह के साथ हुई है। कप्तान का कहना है कि बादली में उसकी दुकान है। शुक्रवार की रात करीब सवा आठ बजे दुकान बंद कर वह अपने घर के लिए चल दिया। रास्ते में मामन के भट्ठे के पास पहुंचा तो वहां दो युवकों ने आगे अड़कर रास्ता रोक लिया। उनके हाथ में डंडे थे। वे नजदीक आए और अचानक मेरी आंख में मिर्च पाउडर फेंक दिया। इसके बाद धक्का देकर स्कूटी से गिरा दिया। फिर स्कूटी और उस पर रखे दो सिलेंडर लेकर चंपत हो गए। इसके बाद जैसे तैसे उसने थाने में पहुंचकर शिकायत दी। उधर, बादली थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है। जल्द से जल्द मामले को सुलझाने का प्रयास रहेगा।

उपभोक्ता बिजली चोरी की जानकारी गोपनीय रूप से निगम के पोर्टल पर दें

चंडीगढ़। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम बिजली चोरी की घटनाओं पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाने के लिए महतवपूर्ण कदम उठा रहा है। निगम ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे बिजली चोरी से सम्बंधित कोई भी जानकारी गोपनीय रूप से निगम के पोर्टल पर दे सकते हैं। इस नई पहल के तहत अब आम नागरिक टोल फ्री नंबर 1800-180-7332 और व्हाट्सएप नंबर +91-9115151900 पर भी बिजली चोरी सम्बन्धी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। इसके अलावा ई-मेल: **informtheft@uhbvn.org.in** के माध्यम से भी शिकायत दर्ज करने का प्रावधान है। शिकायतकर्ता की पहचान पूर्णरूप से गोपनीय रखी जाएगी। बिजली चोरी की प्राप्त शिकायतों पर एक सप्ताह के अंदर-अंदर छापेमारी/ जांच की जाएगी और सम्बंधित अधीक्षक अभियंता इसकी निगरानी सुनिश्चित करेंगे। यह जानकारी देते हुए उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रवक्ता ने बताया कि यदि शिकायतकर्ता द्वारा दी गई जानकारी से चोरी की पुष्टि होती है तो निगम द्वारा वसूल की गई राशि का 10 प्रतिशत इनाम के रूप में शिकायतकर्ता को दिया जा सकता है। बिजली निगम के कर्मचारी इस इनाम योजना के लिए पात्र नहीं होंगे।

कहीं अलाव... कहीं शीतलहर...

उत्तर भारत से लेकर मध्य और पूर्वी राज्यों तक चुनौतीपूर्ण बना मौसम

देश के कई हिस्सों में ठंड, कोहरा और प्रदूषण का असर है। उत्तर भारत से लेकर मध्य और पूर्वी राज्यों तक मौसम चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। राजस्थान, कर्नाटक से ओडिशा तक शीतलहर का अलर्ट है। दिल्ली-एनसीआर में शनिवार को भी सर्दी की शुरुआत के साथ ही हवा की हालत भी बिगड़ती नजर आई। सुबह के समय कई इलाकों में धुंध और प्रदूषण की वजह से रास्ता साफ दिखाई नहीं दे रहा। पूर्वोत्तर राज्यों के साथ-साथ पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में भी अच्छी ठंड पड़ रही है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों जैसे, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख में 13 से 18 दिसंबर के बीच हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है।

कई हिस्सों में पारा गिरा ठंड, कोहरे के साथ प्रदूषण की भी मार

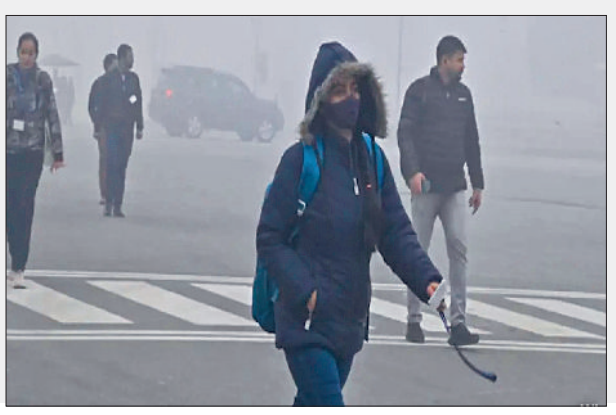

खबर संक्षेप

राहुल-सिद्धू पर निशाना

एक को पीएम बनना है तो दूसरे को सीएम : मान

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की तुलना नवजोत सिंह सिद्धू से करते हुए कहा कि वे दोनों एक जैसे हैं और उनमें एक समान विशेषता है। दोनों क्रमशः प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में निर्वाचित होना चाहते हैं। चंडीगढ़ में मीडिया से बातचीत में भगवंत मान ने कहा कि सिद्धू और राहुल एक जैसे हैं। उन्होंने कहा, 'दोनों की समस्या एक जैसी है। दोनों पहले प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं, उसके बाद ही वे अपना काम दिखा पाएंगे। लेकिन देश की जनता भी अपनी बात पर अड़ी है। वे चाहते हैं कि दोनों पहले अपना काम करके दिखाएं।'सिद्धू का नाम लिए बिना उन्होंने कहा, 'उनमें से एक कह रहा है कि उन्हें सीएम बनना चाहिए, नहीं तो वे टीवी पर ही काम करते रहेंगे। मैं भी टीवी पर था।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

दुनिया में एक अरब से अधिक लड़कियों ने झेला यौन शोषण

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

'द लैंसेट' पत्रिका ने जारी किया 2023 का डेटा

भारत में 23 प्रतिशत बनीं यौन हिंसा की शिकार

'द लैंसेट' पत्रिका में प्रकाशित अनुमानों के अनुसार वर्ष 2023 में दुनिया भर में 15 वर्ष और उससे अधिक उम्र की एक अरब से अधिक लड़कियों- महिलाओं ने बचपन में यौन हिंसा झेली, जबकि लगभग 60.8 करोड़ महिलाएं अंतरंग साथी द्वारा की गई हिंसा की शिकार रहीं।

उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया में अंतरंग साथी की हिंसा और यौन हिंसा, दोनों की सबसे अधिक दर पाई गई। शोधकर्ताओं का कहना है कि इन क्षेत्रों में हिंसा के कारण स्वास्थ्य पर असर और गंभीर हो जाता है, क्योंकि यहां एचआईवी और अन्य दीर्घकालिक बीमारियों की दर पहले से ही अधिक है।

एम्स दिल्ली व अन्य संस्थानों की रिपोर्ट

रिपोर्ट बताती है कि विश्व स्तर पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की दस लाख से अधिक महिलाएं बचपन में यौन हिंसा का सामना कर चुकी हैं। वहीं लगभग 608 मिलियन महिलाएं घरेलू हिंसा से प्रभावित हुई हैं। एम्स नई दिल्ली और गोरखपुर, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ तथा आईसीएमएस-नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन ट्यूबरकुलोसिस, चेन्नई के शोधकर्ताओं की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि ये अनुभव दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़े हैं। इनमें अवसाद, चिंता, पुरानी बीमारियां और समय से पहले मृत्यु का बढ़ा हुआ खतरा शामिल है।

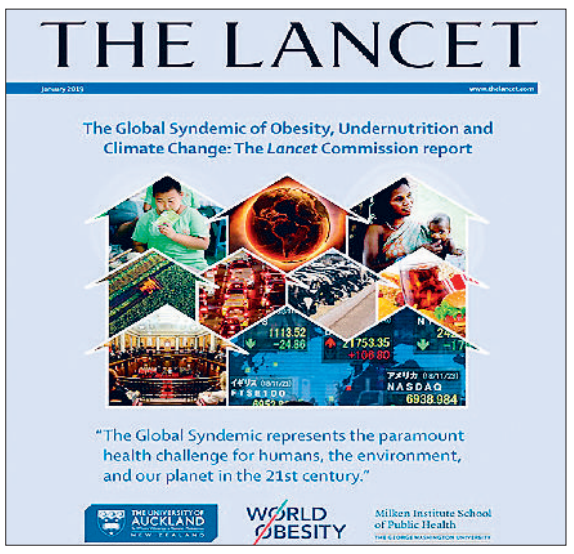

भारत के चौंकाने वाले आंकड़े

पत्रिका के अनुसार भारत में अंतरंग साथी द्वारा हिंसा झेलने वाली महिलाओं की दर लगभग 23 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया। साथ ही, यह भी अनुमान है कि 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग की 30 प्रतिशत से अधिक महिलाएं और लगभग 13 प्रतिशत पुरुष बचपन में यौन हिंसा का सामना कर चुके हैं। वहीं, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) द्वारा नवंबर में प्रकाशित वैश्विक रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया कि 2023 में भारत में 15–49 वर्ष की आयु की महिलाओं में से हर पांच में से एक महिला अंतरंग साथी की हिंसा का शिकार हुई। इसके अलावा, लगभग 30 प्रतिशत महिलाओं ने अपने जीवनकाल में कभी न कभी ऐसी हिंसा झेली। दुनियाभर में लगभग तीन में से एक व्यक्ति – यानि करीब 840 मिलियन लोग – अपने जीवन में या तो साथी की हिंसा या यौन हिंसा का सामना कर चुके हैं।

'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज'के आंकड़ों का विश्लेषण

शोधकर्ताओं ने 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज' (जीबीडी) शोध 2023 के आंकड़ों का विश्लेषण किया, जिसे विभिन्न क्षेत्रों और समय के आधार पर स्वास्थ्य पर पड़ने वाले नुकसान को मापने का सबसे बड़ा और व्यापक प्रयास माना जाता है। इस अध्ययन का समन्वय अमेरिका की वाशिंगटन यूनिवर्सिटी ने किया था। लेखकों ने लिखा है, 'विश्व स्तर पर हमने अनुमान लगाया कि 2023 तक 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की 60.8 करोड़ महिलाएं अपने जीवन में किसी न किसी समय अंतरंग साथी की हिंसा का शिकार हुई हैं, और 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के 1.01 अरब व्यक्तियों ने बचपन में यौन हिंसा का अनुभव किया है।'

'114 करोड़ नुकसान के आरोप बेबुनियाद' सीएम नायडू को मिली क्लीन चीट

एजेंसी ▶▶ विजयवाड़ा

चर्चित फाइबरनेट केस में एसीबी कोर्ट ने किया मामला खारिज

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी के मुखिया चंद्रबाबू नायडू के लिए राहत भरी ख़बर आई है। विजयवाड़ा की एसीबी कोर्ट ने उन्हें फाइबरनेट केस में बड़ी कानूनी राहत दी. क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के मामले को ख़ारिज कर दिया। कोर्ट ने नायडू समेत सभी आरोपियों को मामले में क्लीन चिट दे दी। फाइबरनेट केस उस समय का मामला है जब चंद्रबाबू विपक्ष में थे और प्रदेश में वायएसआरसीपी की सरकार थी। तत्कालीन एमडी माधुसूदन रेड्डी ने शिकायत की थी कि फाइबरनेट कॉरपोरेशन में 2014 से 2019 के बीच टेंडर नियमों का उल्लंघन कर सरकारी खजाने को नुक़सान पहुंचाया गया है। इस को लेकर क सीआईडी ने कथित गड़बड़ियों को लेकर जांच शुरू कर दी थी। आरोप लगाया गया था कि टेंडर नियमों का उल्लंघन करते हुए सॉफ्टवेयर कंपनियों को टेंडर दिया गया, जिससे सरकार को क़रीब 114 करोड़ रुपये का नुक़सान हुआ।

इनके खिलाफ दर्ज हुआ था मामला

चार्जशीट में चंद्रबाबू नायडू को ए-25 आरोपी बनाया गया था। इनके अलावा तत्कालीन फाइबरनेट चेयरमैन वेमुरी हरिकृष्ण, एमडी के. संबाशिव राव, टेरासॉफ्ट कंपनी के डायरेक्टर तुम्मला गोपालकृष्ण और मुंबई और दिल्ली की कुछ सॉफ्टवेयर कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के नाम भी शामिल थे।

केंद्रीय विद्यालय में 2499 पदों पर निकाली गई भर्ती

नई दिल्ली। सरकारी नौकरी के लिए अप्लाई कर रहे उम्मीदवारों के लिए केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) ने शानदार भर्ती निकाली है। संगठन ने कुल 2499 पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट **kvsangathan.nic.in** पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। इसके लिए आवेदन 12 दिसंबर से शुरू हो गए हैं जो 26 दिसंबर को बंद हो जाएंगे। गौर करने वाली बात ये है कि यह भर्ती सिर्फ उन कर्मचारियों के लिए है जो पहले से ही केवीएस में टीचिंग या नॉन-टीचिंग पदों पर हैं। ऐसे में आवेदन का वेरिफिकेशन कंट्रोलिंग ऑफिसर की ओर से 2 जनवरी, 2026 तक पूरा किया जाएगा। इसके लिए एग्जाम 15 फरवरी 2026 को आयोजित होगी। जनरल के लिए 1712 पद, एससी के लिए 525 पद और एसटी के लिए 262 पद आरक्षित हैं। केवीएस में भर्ती के लिए पद के अनुसार शैक्षणिक योग्यता है। पीजीटी (संबंधित विषय में 50 फीसदी मार्क्स के साथ पोस्ट ग्रेजुएशन और बीएड), टीजीटी (ग्रेजुएशन, बीएड और सीटीईटी पेपर 2 पास होना चाहिए)। वहीं, अन्य पदों के लिए 12वीं पास से लेकर ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए।

'भाजपा में मुझसे सलाह नहीं ली जाती, सभी फैसले दिल्ली में होते'

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने भारतीय जनता पार्टी के कामकाज की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस के विपरीत, पार्टी उनसे सलाह नहीं ले रही है। हालांकि, उन्होंने कांग्रेस में लौटने की संभावना को पूरी तरह खारिज किया। बीजेपी नेता सिंह ने कहा कि कांग्रेस में रहते हुए जिस तरह से उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाया गया, उससे उन्हें आज भी ठेस पहुंची है। इसलिए कांग्रेस में शामिल होने का सवाल ही नहीं उठता। पीटीआई को दिए गए एक इंटरव्यू में अमरिंदर सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में सभी फैसले दिल्ली में लिए जाते हैं और जमीनी नेताओं से परामर्श नहीं किया जाता।

■ कैप्टन अमरिंदर सिंह का छलका दर्द

अकाली दल से गठबंधन जरूरी

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बीजेपी पंजाब में केवल शिरोमणि अकाली दल के साथ हाथ मिलाकर ही आगे बढ़ सकती है, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों पार्टियां पहले भी गठबंधन में रह चुकी हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन के बिना कोई सरकार नहीं बन सकती और गठबंधन का अभाव भगवंत मान के मुख्यमंत्री बनने से भी बड़ी आपदा होगी।

सूचना

मैं, देवेन्द्र पुत्र प्रभु निवासी गांव गढ़ी बोहर (135), तहसील व जिला रोहतक, हरियाणा-124001 बयान करता हूं कि मेरा पुत्र मोन्टी मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता नहीं है।

SADA SUKH COLLEGE OF EDUCATION
GAHRA ROAD KANINA, MAHENDERGARH (HR) – 123027
(Affiliated to IGU Meerpur, Rewari & Recognized by NCTE - Delhi)

Application Invited for Teaching & Non-Teaching Staff (B.Ed.)

Teaching Posts: Principal – 01, Assistant Professors: Perspectives in Education – 04, Pedagogy of Mathematics – 01, Pedagogy of Physical Science – 01, Pedagogy of Social Science – 01, Pedagogy of Economics – 01, Pedagogy of Commerce – 01, Pedagogy of Hindi – 01, Pedagogy of English – 01, Pedagogy of Biological Science – 01, Pedagogy of Sanskrit – 01, Health & Physical Education – 01, Fine Arts – 01

Non-Teaching Posts : Librarian – 01, Office Manager / Head Clerk – 01, Office Assistant-cum-Computer Operator / Data Entry Operator – 01, Office-cum-Account Assistant / Clerk – 01, Store Keeper – 01, Technical Assistant – 01, Lab Assistant – 01, Lab Attendant – 01, Helper / Support Staff – 01.

Qualification and Pay Scale: As per State Govt. / NCTE / IGU / University Norms.

Instructions: Interested candidates may send their applications along with passport-size photos and copies of all testimonials to the President of college within 21 days of this advt. Candidate must send one copy of same to the Dean of colleges IGU, Meerpur, Rewari, along with application processing fees of Rs 1000/- (Only for teaching staff) through Cash Receipt / D.D. in favour of Registrar, IGU, Meerpur, Rewari. .

E-mail: ssckanina@gmail.com, Mobile: 9416150682 PRESIDENT

राशिफल

मेष मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख-रखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेगे।

वृष आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती है।

मिथुन मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। रहन-सहन भी अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वाथ्य का ध्यान रखें।

कर्क पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंह व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

कन्या अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद-परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे। रुचि बढ़ेगी।

कुंभ मन शान्त तो रहेगा। फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

मीन मन अशान्त तो हो सकता है। वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती

एलन में नए सत्र के एडमिशन के लिए स्कॉलरशिप टेस्ट 21 दिसम्बर को

नई दिल्ली। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट में सत्र 2026-27 में होने वाली इंजीनियरिंग व मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। नए सत्र में कोटा सहित देशभर के सभी केन्द्रों पर एडमिशन के लिए स्कॉलरशिप टेस्ट 21 दिसम्बर को होगा। प्रवेश व प्रतिभा को प्रोत्साहन देने के लिए आयोजित किया जाने वाला एलन स्कॉलरशिप एडमिशन टेस्ट (ए-सेट) देशभर में निर्धारित केन्द्रों पर आयोजित होगा। परीक्षा में शामिल होकर स्टूडेंट्स एलन फीस में 90 प्रतिशत तक स्कॉरलशिप

प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है। अगला नेशनल एसेट 4 जनवरी को होगा।

जल्द प्रवेश पर दोहरा लाभ

एलन की ओर से इस एसेट में शामिल होकर एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स को दोहरा लाभ दिया जा रहा है, जो स्टूडेंट्स 21 दिसम्बर को एसेट में शामिल होकर एडमिशन लेते हैं, उन्हें स्कॉलरशिप के साथ रियायती फीस पर प्रवेश का मौका मिलेगा। जेईई और नीट के बैच आगामी महीनों में शुरू होने जा रहे हैं। ए-सेट के माध्यम से हर स्ट्रीम का स्टूडेंट स्वयं का असेसमेंट कर सकता है। यह पेपर साइंटिफिक, अकेडमिक व साइक्लोजिकल असेसमेंट के लिए तैयार किया जाता है, जिसमें बेस सब्जेक्ट व आइक्यू के प्रश्न होते हैं। पेपर के सांइटिफिक असेसमेंट के आधार पर स्टूडेंट को एलन द्वारा स्कॉलरशिप ऑफर की जाती है।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की तरफ सेवरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेल्वे अंबाला छवानी द्वारा मण्डल के निम्नलिखित स्टेशनों पर ठेके आवंटित करने हेतु **ई–नीलामी** रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in**, के माध्यम से बोली आमंत्रित की जा रही है। आवंटित की जाने वाले ठेको का विवरण निम्नलिखित है।

नीलामी काटलोगस	कार्य का विवरण	नीलामी तिथि व समय
PnU-UMB-SIR-WRL-60-25-2	सरहिंद रेलवे स्टेशन पर 3 मीटर x 5.37 मीटर आकार (कुल क्षेत्रफल 16.11 वर्ग मीटर) वाले क्लोक रूम प्रबंधन एवं स्टेशनरी दुकान जिसमें मुद्रण/ फोटोकॉपी सुविधा उपलब्ध है, के लिए अनुबंध	23.12.2025 10.00.00
PnU-UMB-RPJ-WRL-59-25-2	राजपुरा रेलवे स्टेशन पर 3 मीटर x 4 मीटर आकार (कुल क्षेत्रफल 12 वर्ग मीटर) वाले क्लोक रूम प्रबंधन एवं स्टेशनरी दुकान जिसमें मुद्रण/ फोटोकॉपी सुविधा उपलब्ध है, के लिए अनुबंध	23.12.2025 10.00.00
PnU-UMB-UMB-WRL-47-25-1	अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर 12 फीट x 12 फीट आकार (कुल क्षेत्रफल 144 वर्ग फुट या 13.38 वर्ग मीटर) वाले क्लोक रूम प्रबंधन एवं स्टेशनरी दुकान जिसमें मुद्रण/ फोटोकॉपी सुविधा उपलब्ध है, के लिए अनुबंध	23.12.2025 10.00.00
PnU-UMB-SML-WRL-49-23-1	शिमला रेलवे स्टेशन पर 144 वर्ग फुट क्षेत्रफल वाले क्लोक रूम प्रबंधन के लिए अनुबंध	23.12.2025 10.00.00
PnU-UMB-SRE-WRL-44-25-1	सहारनपुर रेलवे स्टेशन पर कुल क्षेत्रफल 20.44 वर्ग मीटर के साथ क्लोक रूम प्रबंधन सह स्टेशनरी दुकान जिसमें मुद्रण/ फोटोकॉपी सुविधा है	23.12.2025 10.00.00
PnU-UMB-BTI-WRL-66-25-1	बठिंडा रेलवे स्टेशन पर 20.78 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले क्लोक रूम प्रबंधन एवं स्टेशनरी दुकान जिसमें मुद्रण/ फोटोकॉपी सुविधा उपलब्ध है, के लिए अनुबंध	23.12.2025 10.00.00

नीलामी लीजिंग आमंत्रण सूचना, नीलामी प्रपत्र, एक बार पंजीकरण व अधिक जानकारी हेतु, रेलवे वेब साईट **www.ireps.gov.in** पर जाये।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3864/2025

शब्द पहेली - 6077

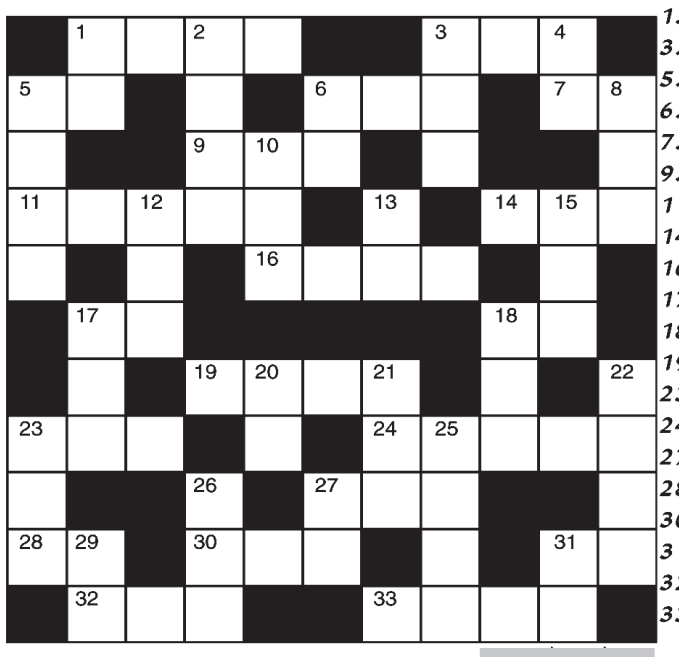

बाएँ से दाए
1. असभ्यता, मूर्खता-4
3. निर्भय, बहादुर-3
5. प्याला-2
6. सहारा, शरण-3
7. मां का भाई-2
9. साठ वर्ष की अवधि-3
11. परतंत्रता, गुलामी-5
14. दानव, दैत्य-3
16. लूटपाट-4
17. वाद्य यंत्र-2
18. परछाई, छाया-2
19. आदत, स्वभाव(उर्दू-4)
23. जंगल, वन-3
24. सेंधमार-5
27. गजल लिखने वाला-3
28. मोटा आटा, सूजी-2
30. गुलिस्तां, बाग-3
31. एक ग्रह, शनिश्चर-2
32. दबाना, कुचलना-3
33. रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे
1. मंत्रों का पाठ-2
2. उद्देश्यहीन-4
3. अनूठा, अनोखा-3
4. लक्ष्मी, कमला-2
5. खीजना, रोना-4
6. एक पौधा, अकुवा, आकड़ा-2
8. दक्ष, होशियार-3
10. जमीकंद, एक सब्जी-3
12. धैर्य, संयम-3
13. अस्थमा-2
15. एक गायिका-3
17. वर्षा ऋतु-3
18. महोदय-3
20. पैंदा, तला-2
21. पुत्र, बेटा-3
22. अवमानना-4
23. नास्तिक (उर्दू-3)
25. करामात-4
26. प्रतिज्ञा-3
27. ठाठ-बाट-2
29. अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31. तीर, बाण-2

शब्द पहेली - 6076 का हल

	अ	स	ह	यो	ग		अ	दा	व	त
र	क्स		रा		ग	रु	ड़		न	र
ख		स	ना	त	न		ना	म		क
र	फ्ता	र			चुं	गी		त	म	स
खा		मा		चा	बी		सी		ही	
व	ल	या	का	र		प	रा	या	प	न
	क		या		का	ल		द		क
द	वा	त		भ	ला			गा	य	ब
र		र	ज		बा	जी	ग	र		ज
क	र		ल	ह	जा		जं		खा	न
ना	जा	य	ज		र	घु	ना	य	क	

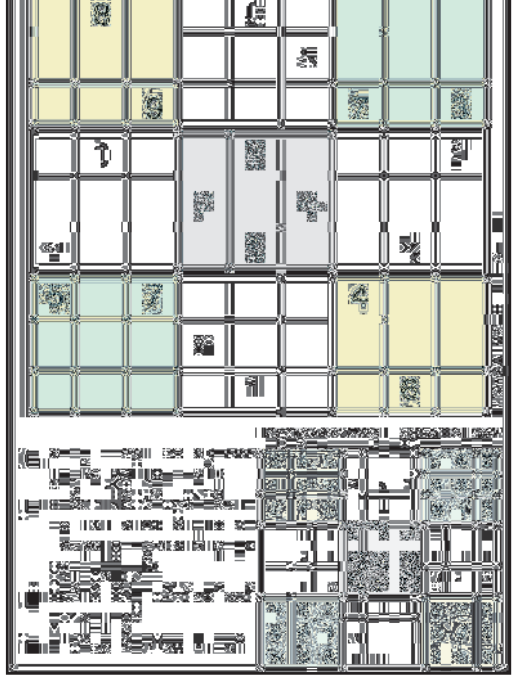

चौधरी को लेकर सियासी गलियारे में हलचल तेज

अगड़े- पिछड़े समाज में मजबूत पकड़ को मिली तरजीह, 7 बार सांसद बने चौधरी

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

आज उत्तर प्रदेश अध्यक्ष का होगा ऐलान

उत्तर प्रदेश भाजपा को जल्द ही नया प्रदेश अध्यक्ष मिलने वाला है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री और महाराजगंज से सात बार के सांसद पंकज चौधरी ने शनिवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनके प्रस्तावक बने, जबकि दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। चौधरी को लेकर सियासी गलियारे में हलचल तेज हो गई है। पार्टी इनको प्रदेश में बड़ी जिम्मेदारी दे रही है। पार्टी को पिछड़े समाज में इनकी मजबूत पकड़ होने का फायदा मिल सकता है। परंपरागत मत सहेजने के साथ पीडीए कमजोर करने का दांव पार्टी ने खेला है।

भाजपा दे रही देश के सबसे बड़े सूबे की कमान

गोरखपुर में पार्षद से शुरू किया राजनीतिक सफर

पंकज चौधरी

गोरखपुर के घंटाघर हरबंश गली स्थित घर में 20 नवंबर 1964 में जन्मे चौधरी ने एमपी इंटर कॉलेज और गोरखपुर विश्वविद्यालय से स्नातक तक की शिक्षा ग्रहण किया। औद्योगिक घराने में जन्मे चौधरी ने राजनीति में कदम रखा और डिप्टी मेयर बने। चौधरी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत 1989 में गोरखपुर नगर निगम में पार्षद का चुनाव लड़ने के साथ की थी। वो पार्षद के चुनाव में जीते थे। 1989 में ही गोरखपुर से कटकर महाराजगंज अलग जिला बना, जिसके बाद से पंकज चौधरी ने महराजगंज को अपनी राजनीति का केंद्र बनाया।

महराजगंज में खाटी के भाजपा कार्यकर्ताओं समेत अन्य लोगों में खुशी

चौधरी का नाम चर्चा में आने से महराजगंज में खाटी के भाजपा कार्यकर्ताओं समेत अन्य लोगों में खुशी है। चुनाव में भी पार्टी ने इन्ही पर हर बार भरोसा जताया। पिछड़े समाज में इनकी मजबूत पकड़ के अलावा संगठन में इनको लेकर कभी गतिरोध सामने नहीं आया। शुरूआत से ही पार्टी की ओर से मिली जिम्मेदारी का बखूबी निवर्हन कर आगे बढ़ते चले गए।

परंपरागत कुर्मी वोट को आकर्षित किया

कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करने में भरोसा रखते हैं। राजनीति के जानकार बताते हैं कि अपना दल व अन्य सहयोगियों से परंपरागत कुर्मी वोट को अपने ओर आकर्षित करने में चौधरी काफी मददगार साबित हो सकते हैं। ये प्रदेश में पिछड़े समाज के काफी मजबूत नेता माने जाते हैं।

1991 में पहली बार सांसद बने

गोरखपुर के उद्योगपति स्वर्गीय भगवती चौधरी एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष उज्ज्वल चौधरी के छोटे सुपुत्र पंकज चौधरी ने गोरखपुर नगर निगम के पार्षद के तौर पर 1989 में राजनीति का सफर शुरू किया। 1990 में ही भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्य समिति सदस्य हुए। 10 वीं लोकसभा में वर्ष 1991 में महराजगंज संसदीय सीट से भाजपा के सिंबल पर सांसद चुने गए।

जब पीएम मोदी पैदल पहुंचे थे चौधरी के घर

माता जी देखिए, मैं खुद आपसे मिलने आ गया

चौधरी का कद तो पीएम नरेंद्र मोदी ने उसी दिन बढ़ा दिया जिस दिन गोरखपुर में उनकी माता से मिलने प्रधानमंत्री 150 मीटर पैदल चल कर उनके घर पहुंचे। 7 जुलाई 2023 को गीता प्रेस के शताब्दी वर्ष समारोह का था। इस दौरान वे अचानक चौधरी के घर पहुंच गए थे। चौधरी की माता का आशीर्वाद लिया। गोरखपुर के घंटाघर हरिवंश गली में स्थित पंकज चौधरी के घर का रास्ता संकरा होने के चलते करीब 150 मीटर दूर ही प्रधानमंत्री का वाहन रुक गया। वहां से प्रधानमंत्री , राज्यपाल व मुख्यमंत्री के साथ पैदल चल घर पहुंचे थे।

शादी में 20 लाख और कार मांगी, पहुंचा जेल

बरेली। यूपी के बरेली से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। शुक्रवार देर रात एक बारात में

दहेज को लेकर हंगामा हो गया। 7फेरों से पहले दूल्हे ने कार और 20 लाख रुपए मांग रख दी। वर पक्ष ने कहा कि ऐसा न होने पर सात फेरे नहीं होंगे। वधू पक्ष ने असमर्थता जाहिर कर दी। पुलिस पहुंच गई और दूल्हा हवालात में पहुंच गया।

तीन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

गोंदिया (भाषा)। पूर्वी महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में शनिवार को तीन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया, जिन पर कुल मिलाकर 20 लाख रुपये का इनाम था। पुलिस ने यह जानकारी दी। शनिवार को दरेकसा एरिया कमेटी कमांडर छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के मेंदरी निवासी रोशन उर्फ मारा इरिया वेदजा (35), बीजापुर जिले की उसूर तहसील के वेरापल्ली निवासी सुभाष उर्फ पोज्जा बंडू रावा (26) और नारायणपुर जिले के रेखापाल निवासी रतन उर्फ मनकू ओमा पोय्याम (25) ने यहां पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

एम्स ने उन्नत ब्रेन स्टेंट का क्लीनिकल ट्रायल किया

नई दिल्ली (भाषा)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली ने उन्नत 'ब्रेन स्टेंट' का देश में पहला समर्पित क्लीनिकल ट्रायल करके गंभीर मस्तिष्काघात के इलाज में एक मील का पत्थर हासिल किया है। अधिकारियों ने बताया कि 'ग्रैविटी स्टेंट-रीट्रीवर सिस्टम फॉर रिपरफ्यूजन आफ लार्ज वेसल अक्लूशन ट्रायल' (ग्रासरूट ट्रायल) ने सुपरनोवा स्टेंट (ग्रैविटी मेडिकल टेक्नोलॉजी) का मूल्यांकन किया। इस ट्रायल ने गंभीर मस्तिष्काघात के इलाज में उत्कृष्ट सुरक्षा और प्रभावशीलता के परिणाम दिखाए हैं।

बीड में डीजल टैंकर से टकराई गाड़ी, छाया धुआं

बीड। महाराष्ट्र के बीड जिले में तालुका के पाली गांव के पास सोलापुर-धुले राष्ट्रीय राजमार्ग पर

उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक गाड़ी की टक्कर डीजल टैंकर से हो गई। टक्कर जोरदार थी कि देखते ही देखते दोनों गाड़ियों में आग लग गई और हाईवे पर आग का गोला बन गया। टक्कर के तुरंत बाद आग भड़क उठी। धुएं का गुबार छा गया।

उबर राइडर ने लड़की से की छेड़छाड़

चंडीगढ़। ट्राइसिटी में रोजाना हजारों लोग बाइक टैक्सी बुक करते हैं। शुक्रवार सुबह परीक्षा देने

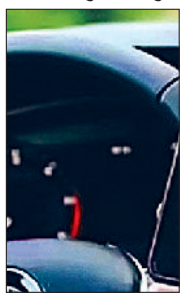

निकली 11वीं की छात्रा उबर बाइक पर बैठी ही थी कि चालक ने छेड़छाड़ शुरू कर दी। छात्रा ने हिम्मत दिखाई, विरोध किया, पिता को फोन किया, वीडियो भी बनाया। इसके बाद आरोपी रुका नहीं,तेज भगाने लगा और अंत में बाइक गिरा दी। इससे छात्रा को चोट आई है।

कर्नाटक चुनाव में वोटर लिस्ट से पात्र मतदाताओं के नाम कटवाने के मामला

एसआईटी ने दायर की 22000 पन्नों की चार्जशीट पूर्व भाजपा विधायक को बनाया मुख्य आरोपी

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरू

कांग्रेस नेता व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस साल के मध्य में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र में वोटी चोरी होने का आरोप लगाया था। कर्नाटक सीआईडी की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने आलंद विधानसभा क्षेत्र के वोटर लिस्ट से पात्र मतदाताओं के नाम कटवाने के मामले में कलबुर्गी की सिटी एसीएमएम कोर्ट में 22,000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है।

एसआईटी ने अपनी चार्जशीट में पूर्व भाजपा विधायक सुभाष गुट्टेदार को मुख्य आरोपी बताया है। उनके बेटे हर्षनंद गुट्टेदार और पांच अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। जांच एजेंसी का दावा है कि 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले इन लोगों ने सुनियोजित तरीके से आलंद विधानसभा क्षेत्र के 5,994 मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटवाने की साजिश रची थी।

राहुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यहां वोटी चोरी होने का लगाया था आरोप

जांच एजेंसी का दावा- सुनियोजित तरीके से नाम हटवाने की रची गई साजिश

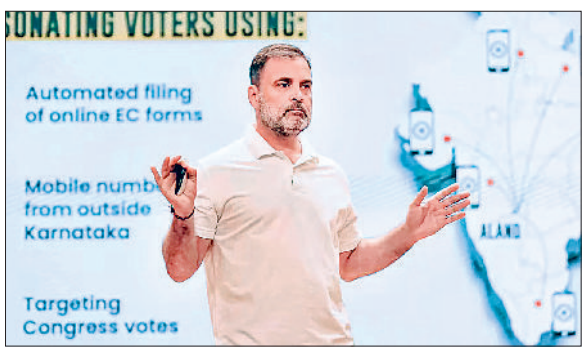

हरियाणा चुनाव में भी लगाया था वोट चोरी का आरोप

राहुल ने कर्नाटक के अलावा पिछले साल हरियाणा में हुए विधानसभा चुनावों में भी वोट चोरी का दावा किया था। उनके मुताबिक, उस चुनाव में डाले गए हर आठ में से एक वोट फ़र्जी था। राहुल ने पीसी में दावा किया था कि हरियाणा में एक लाख चौबीस हजार से अधिक फर्जी तस्वीरों वाले वोटर हैं। राहुल गांधी ने दावा किया कि हरियाणा में 'एक ही घर में 501 वोटर दर्ज हैं और वो घर भी सिर्फ़ कागजों पर है।' उन्होंने अपनी प्रेस वार्ता में प्रेजेंटेशन के दौरान ब्राजील की एक महिला की तस्वीर दिखाते हुए दावा किया कि 'इस महिला ने हरियाणा के 10 बूथों पर 22 वोट डाले। उन्होंने कहा, 'यह एक सेंट्रलाइज्ड साजिश है। ऐसे 25 लाख लोगों में से यह एक उदाहरण है। उन्होंने सवाल उठाया था, एक ब्राजीलियन शख्स हरियाणा की वोटर लिस्ट में कैसे है?

कॉल-सेंटर बनाकर काटे गए वोटर लिस्ट से नाम

एसआईटी जांच के मुताबिक पात्र मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से कटवाने के लिए एक बड़े कॉल-सेंटर नेटवर्क का इस्तेमाल किया गया था। ऑनलाइन फर्जी आवेदन भरे गए और हर वोटर का नाम कटवाने के बदले पैसे दिए गए। ओटीपी हैकिंग और आधार-लिंक्ड मोबाइल नंबरों में हेरफेर कर फॉर्म-7 भरे गए। यह मामला सबसे पहले कांग्रेस विधायक बी.आर. पाटिल ने उठाया था। बाद में राहुल गांधी ने भी संसद से लेकर कर्नाटक की अपनी जनसभाओं तक इसे भाजपा और चुनाव आयोग की मिली भगत से 'वोट चोरी' का मामला करार दिया था।

200 से ज्यादा गवाहों के बयान

एसआईटी सूत्रों के मुताबिक चार्जशीट में 200 से ज्यादा गवाहों के बयान और डिजिटल एविडेंस (कॉल रिकॉर्ड्स, बैंक ट्रांजेक्शन, ओटीपी लॉग्स, फॉर्म-7 की कॉपी) शामिल किए गए हैं। एसआईटी ने कोर्ट से आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 468, 471, 120बी के साथ-साथ जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धाराओं के तहत मुकदमा चलाने की मांग की है। पूर्व बीजेपी विधायक सुभाष गुट्टेदार ने इस चार्जशीट को 'राजनीतिक बदले की कार्रवाई' बताया है और कहा कि वह कोर्ट में अपना पक्ष रखेंगे। वहीं कांग्रेस ने इसे लोकतंत्र पर हमले का पुख्ता सबूत करार दिया है।

आयोग ने कहा था आरोप निराधार

चुनाव आयोग ने सारे आरोपों को निराधार बताया था और कहा था कि कांग्रेस को इसकी शिकायत दर्ज करवानी चाहिए थी। भाजपा की तरफ से केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा था कि राहुल गांधी अपनी नाकामी को छुपाने के लिए झूठे दावे कर रहे हैं।' हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी कांग्रेस के दावों को खारिज किया है।

जगदलपुर में गृहमंत्री शाह का ऐलान

अगले साल नक्सल फ्री हो जाएगा बस्तर..हथियार डालें, चुनें पुनर्वास

ओलंपिक खेलों का किया समापन

ओलंपिक खेलों के समापन पर खिलाड़ियों के साथ शाह

एजेंसी ▶▶ जगदलपुर

बस्तर ओलंपिक के समापन के मौके पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जगदलपुर पहुंचे।इस दौरान शाह ने एक बार फिर देश से नक्सलवाद खात्मे को लेकर बड़ी बात कही। शाह ने कहा कि देश से नक्सलवाद 31 मार्च 2026 के दिन खत्म होगा। बस्तर के विकास में लाल आतंक सांप की तरह फन फैलाकर बैठा था,जिसके दंश से पूरा राज्य प्रभावित हो रहा था,लेकिन अब बस्तर में शांति लाने की बारी है। इतनी ही विनम्रता से मैं अपील भी करता हूं कि गुमराह होकर जो लोग हाथों में हथियार लिए घूम रहे हैं,वो आकर पुनर्वासन योजना में जुड़े। नक्सलवाद से किसी का भला नहीं होगा। शांति ही विकास का रास्ता प्रशस्त कर सकती है। आप अपना नया जीवन चुनिए।

केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लें लाभ

शाह ने भारत माता की जय के साथ भाषण की शुरुआत की। छत्तीसगढ़ को नए आयाम तक पहुंचाने के लिए उन्होंने पूर्व सीएम रमन सिंह, सीएम विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम विजय शर्मा और अरुण साव को धन्यवाद दिया। शाह ने कहा कि बस्तर की धरती ने काफी आतंक सहा है,लेकिन मौजूदा सरकार की योजनाएं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों ने बस्तर की तस्वीर बदलने की कोशिश की है।

सरेंडर्ड नक्सलियों की नुआ टीम को दी बधाई

शाह ने बस्तर ओलंपिक की तारीफ करते हुए कहा कि जब 700 ज्यादा सरेंडर नक्सल बच्चों ने बस्तर ओलंपिक में हिस्सा लेने की जानकारी मुझे मिली तो मैं बहुत खुश हुआ। नक्सलवाद में पूरा जीवन बर्बाद हो जाता। अभी जो परेड हुई है उसमें सरेंडर किए हुए खिलाड़ी संभाग स्तर पर आए हैं। मैं सभी दर्शकों के लिए कहना चाहता हूं कि इन खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत करें। ये खिलाड़ी जो नुआ बाट के लिए खेले हैं वो देश के लिए बड़ा उदाहरण हैं,क्योंकि इन खिलाड़ियों ने विनाश की जगह विकास का रास्ता चुने है। यहां की सभी जनजातियां भारत की समृद्ध विरासत है। छत्तीसगढ़ सरकार ने आधुनिक स्टूडियो बनाकर पारंपरिक गीतों को सहेजने का काम किया है.इसे संगीत के साथ इससे जुड़ी किताबें भी प्रस्तुत की हैं।

राबड़ी देवी ने न्यायाधीश से मामला स्थानांतरित करने की लगाई गुहार, सीबीआई का विरोध

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी द्वारा दायर उस याचिका का विरोध किया, जिसमें उनके और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ आपराधिक मामलों को किसी अन्य अदालत में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया था। राबड़ी देवी ने विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए मामलों को स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद की पत्नी राबड़ी देवी और उनके परिवार के खिलाफ दर्ज चार मामले जमीन के बदले नौकरी और आईआरटीसी घोटाले से जुड़े हैं।

बंद स्थानों को खोले बिना स्थिति सामान्य नहीं होगी : अब्दुल्ला

नई दिल्ली। श्रीनगर (भाषा)। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि जब तक पहलगाम हमले के बाद बंद किए गए पर्यटन स्थलों को दोबारा नहीं खोला जाता, तब तक केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति का दावा नहीं कर सकती। उन्होंने हमले के बाद कई पर्यटन स्थलों को बंद करने के फैसले पर पुनर्विचार करने का भी अनुरोध किया। अब्दुल्ला ने गुलमर्ग में एशिया की सबसे लंबी 'स्की ड्रैग लिफ्ट' का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से कहा कि चुनी हुई सरकार ही जम्मू-कश्मीर में पर्यटन से संबंधित बुनियादी ढांचे का निर्माण या सुधार कर सकती है और पर्यटन स्थलों को बंद करने का फैसला 'हमारा नहीं है'। उन्होंने कहा,"दुर्भाग्यवश, जब इन्हें (पर्यटन स्थलों को) बंद किया गया था तो हमसे कोई परामर्श नहीं लिया गया। अगर मैं वहां होता, तो अब तक सब कुछ खोल चुका होता।"पहलगाम के बैसरन में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गयी थी, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। इसके बाद, उपराज्यपाल प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से कई पर्यटन स्थलों को बंद कर दिया था। अबदुल्ला ने बताया कि इनमें से कुछ को चरणबद्ध तरीके से पर्यटकों के लिए फिर से खोल दिया गया है लेकिन कई अब भी बंद हैं।

हाईकोर्ट ने खरिज की कंपनी की अपील

ज्यादा वेतन व बड़ा पद पायलट को श्रम कानूनों से छूट नहीं देता

दिल्ली हाईकोर्ट

बकाया वेतन और अन्य भुगतान को दी थी चुनौती

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने किंग एयरवेज की सभी अपीलें खारिज करते हुए साफ शब्दों में कहा कि एयरलाइन पायलट, चाहे वे पायलट इन कमांड ही क्यों न हों, औद्योगिक विवाद अधिनियम के तहत वर्कमैन माने जाएंगे। कोर्ट ने कहा कि किसी कर्मचारी का ज्यादा वेतन, बड़ा पद या उड़ान के दौरान कमान संभालना, उसे श्रम कानूनों से बाहर नहीं करता है। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने यह फैसला किंग एयरवेज और उसके पूर्व पायलटों के बीच चले विवाद में सुनाया। एयरलाइन ने पायलटों को बकाया वेतन और अन्य भुगतान देने के आदेश को चुनौती दी थी।

वर्कमैन होने का फैसला काम की प्रकृति का आधार

कोर्ट ने कहा कि किसी कर्मचारी के वर्कमैन होने का फैसला उसके काम की असली प्रकृति से होता है। पायलट का मुख्य काम विमान उड़ाना है, जो एक तकनीकी और कौशल आधारित जिम्मेदारी है।भले ही उड़ान के दौरान पायलट इन कमांड को जिम्मेदार माना जाता हो, लेकिन वह न तो दफ्तर के कामकाज में और न ही कर्मचारियों के प्रशासनिक मामलों में कोई प्रबंधकीय या पर्यवेक्षी भूमिका निभाता है।

वह प्रबंधन या सुपरविजन के बराबर नहीं

कोर्ट ने एयरलाइन की इस दलील को भी खारिज कर दिया कि पायलटों का ऊंचा वेतन या सीनियर कमांडर का पद उन्हें वर्कमैन की श्रेणी से बाहर कर देता है। कोर्ट ने कहा कि वेतन की सीमा तभी मायने रखती है, जब यह साबित हो कि कर्मचारी वास्तव में सुपरवाइजरी काम करता है, जो इस मामले में साबित नहीं हुआ। कोर्ट ने यह भी कहा कि विमानन नियमों में जिस निगरानी या नियंत्रण की बात होती है, वह केवल उड़ान की सुरक्षा से जुड़ी होती है।

बकाया वेतन के मामले में भी कोर्ट ने पायलटों के पक्ष में फैसला बरकरार रखा। अदालत ने माना कि पायलटों की नौकरी गलत तरीके से खत्म की गई थी। इसलिए उन्हें दोबारा सेवा में लेना, सेवा की निरंतरता देना और बकाया वेतन देना सही है।

कलाकारों ने देवताओं का रूप धरा

वाराणसी। वाराणसी में शनिवार को काशी विश्वनाथ मंदिर के रेनोवेशन की चौथी सालगिरह के मौके पर एक जुलूस में देवी-देवताओं का रूप धारण किए कलाकारों ने हिस्सा लिया।

उत्तराखंड के खटीमा में बड़ा बवाल

युवक की हत्या पर लोगों ने दुकानों में लगाई आग, धारा 163 लागू

मौके पर पुलिस को किया गया तैनात

एजेंसी ▶▶ खटीमा

उत्तराखंड के खटीमा में एक युवक की हत्या के बाद आक्रोशित लोगों ने जमकर हंगामा किया। गुस्साए लोगों ने हमलावरों की दुकान में आग लगा दी। इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

बवाल का नजारा

मौके पर तनाव को देखते हुए प्रशासन ने धारा 163 लागू किया है। स्थिति को देखते हुए पुलिस बल को मौके पर तैनात किया गया है। प्रशासन द्वारा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

युवक की मौत के बाद हंगामा

शुक्रवार रात्रि खटीमा रोडवेज परिसर में दो पक्षों के बीच हुई कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। आपसी विवाद के दौरान चली चाकूबाजी में 23 वर्षीय तुषार शर्मा की मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को हालत नाजुक होने पर हायर सेंटर रेफर किया गया है।

आज सोनिया के दरबार में सिद्धारमैया और डीके लगाएंगे हाजिरी

फैसला आज, किसे मिलेगा कर्नाटक मुख्यमंत्री का ताज?

अंदरूनी खींचतान के बीच आज दोनों की होगी 'नेतृत्व' से मुलाकात

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में 14 दिसंबर को कांग्रेस की राजनीति का सबसे अहम दरबार लगने वाला है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार एक साथ कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से मुलाकात करेंगे। और, यह मुलाकात ऐसे समय हो रही है, जब कर्नाटक में सत्ता के शीर्ष पद को लेकर अंदरखाने खींचतान चरम पर है। मुख्यमंत्री पद को लेकर कांग्रेस के दोनों बड़े नेता के बीच संघर्ष चल रही है। सियासी गलियारों में इसे सिर्फ एक औपचारिक बैठक नहीं बल्कि फैसले की घड़ी के तौर पर देखा जा रहा है।

■ लोग फैसले की घड़ी देख रहे

अहम बताई जा रही यह आमने- सामने की बैठक

सोनिया गांधी

कांग्रेस के भीतर यह लगभग तय माना जाता है कि कर्नाटक के नेतृत्व विवाद पर आखिरी फैसला हाईकमान ही करेगा। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पहले ही कह चुके हैं कि इस कन्फ्यूजन को सोनिया गांधी, राहुल गांधी और वह खुद मिलकर सुलझाएंगे। अब जब सिद्धारमैया और शिवकुमार एक साथ दिल्ली पहुंच रहे हैं, तो साफ है कि मामला निर्णायक मोड़ पर है।

पूर्व का फार्मूला बना सबसे बड़ी अड़चन

सरकार को करीब 140 विधायकों का मजबूत समर्थन हासिल है, लेकिन 20 नवंबर को सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद फिर यह चर्चा तेज हो गई कि मुख्यमंत्री पद को ढाई-ढाई साल के फार्मूले पर बदला जाना था।

कांग्रेस विधायक की भविष्यवाणी

6 जनवरी को शिवकुमार ही बनेंगे मुख्यमंत्री

इस बीच, सत्ताधारी कांग्रेस के विधायक ने बड़ी भविष्यवाणी करते हुए तारीख बताई है कि शिवकुमार मुख्यमंत्री कब बनेंगे?

विधायक एचए इकबाल हुसैन ने शनिवार को दावा करते हुए कहा है कि शिवकुमार 6 जनवरी को मुख्यमंत्री बनेंगे। इसी के साथ उन्होंने अपने बयान में कहा कि जिस पद पर अभी सिद्धारमैया हैं, उसे शिवकुमार के लिए खाली किया जाना चाहिए।

भारतवर्ष अपने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। बंकिम चंद्र चटर्जी (चट्टोपाध्याय) द्वारा रचित इस गीत की पंक्तियों में भारतीयता का ओज और राष्ट्रप्रेम के प्रति अटूट जज्बा है। आज़ादी की लड़ाई के दौरान करोड़ों भारतीयों के लिए यह गीत संघर्ष, चेतना और आत्मबल का प्रतीक रहा, लेकिन इतने दशकों के बाद यह गीत एक बार फिर राजनीतिक और वैचारिक टकराव के केंद्र में आ गया है। भाजपा का आरोप है कि आजादी की लड़ाई के शुरुआती दौर से ही कांग्रेस ने इस गीत के साथ अन्याय किया है और आजादी के बाद भी सम्पूर्ण गीत को न लेकर इसके एक अंश को ही राष्ट्रगीत के रूप में मान्यता दी। उधर, कांग्रेस का कहना है कि ऐसा किसी द्वेषवश नहीं, बल्कि उस वक्त सभी धर्मावलंबियों की भावनाओं को ध्यान में रखकर किया गया था। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि भला इस गीत से किसी मजहब और संप्रदाय को किस तरह चोट पहुंच सकती है? संसद के दोनों सदनों में वंदे मातरम् पर हुई बहस ने निस्संदेह देश के अंदर बहुत बड़े वर्ग में देश भक्ति का भाव गहरा किया है तो दूसरी ओर क्षोभ और गुस्सा भी पैदा हुआ है। अच्छा होगा, अगर इस को धर्म और राजनीति से जरा दूर ही रखा जाए। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

'वंदे मातरम्' पर विपक्ष का प्रवंचना भाव

विश्लेषण

अरविंद जयतिलक

वरिष्ठ स्तंभकार

चारों ओर वंदे मातरम् की गूंज से भारतीयता का सनातन भाव गुंजायमान है, लेकिन विडंबना है कि राष्ट्र गीत वंदे मातरम् का उच्चतर भाव कुछ लोगों को रास नहीं आ रहा है। वे संसद से लेकर सड़क तक कुतर्कों का सहारा लेकर किस्म-किस्म की प्रवंचना से विरोध की प्रस्तावना खींच रहे हैं। यह ठीक नहीं है। उन्हें समझना होगा कि वंदे मातरम् किसी धर्म या मजहब का समर्थन या विरोध का भाव नहीं है। यह मातृभूमि के प्रति समर्पण, त्याग और बलिदान का वह निश्छल भाव है जिसे विचारों का हथियार बनाकर आजादी के दीवानों ने मातृभूमि को आजाद करवाया।

भारतवर्ष वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। चारों ओर वंदे मातरम् की गूंज से भारतीयता का सनातन भाव गुंजायमान है, लेकिन विडंबना है कि राष्ट्र गीत वंदे मातरम् का उच्चतर भाव कुछ लोगों को रास नहीं आ रहा है। वे संसद से लेकर सड़क तक कुतर्कों का सहारा लेकर किस्म-किस्म की प्रवंचना से विरोध की प्रस्तावना खींच रहे हैं। यह ठीक नहीं है। उन्हें समझना होगा कि वंदे मातरम् किसी धर्म या मजहब का समर्थन या विरोध का भाव नहीं है। यह मातृभूमि के प्रति समर्पण, त्याग और बलिदान का वह निश्छल भाव है जिसे विचारों का हथियार बनाकर आजादी के दीवानों ने मातृभूमि को आजाद कराया। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् केवल शब्द भर नहीं हैं बल्कि इसमें राष्ट्र की संस्कृति, इतिहास, कला, साहित्य और ज्ञान-विज्ञान का वह भाव समाहित है जो भारत राष्ट्र की निरंतरता और चेतना को उद्घाटित करता है। इसके प्रकटीकरण से राष्ट्र की गरिमा और गौरव में वृद्धि होती है। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित इस गीत की पंक्तियों में भारतीयता का ओज और राष्ट्रप्रेम के प्रति अटूट जज्बा है।

राष्ट्रीय एकता का भाव

यह गीत अपने आगोश में संपूर्ण भारत की विविधता और विशेषता को समेटे हुए है। इसमें मातृभूमि के प्रति अनुरक्ति, समर्पण और उदात्त भावनाएं निहित हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह कि वंदे मातरम् का विरोध करते हुए आज फिर वहीं लोग दिख रहे हैं जिन्होंने सत्ता-सिंहासन पर आसीन रहते हुए गीत के कुछ हिस्सों, खासकर मां दुर्गा की स्तुति करने वाले छंदों को काट-छांटकर राष्ट्रीय एकता के भाव को नष्ट-विनष्ट कर दिया। उल्लेखनीय है कि 1937 में कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में पं. जवाहरलाल नेहरु ने सुभाषचंद्र बोस को लिखे एक पत्र में कहा था कि वंदेमातरम् के कुछ छंद मुसलमानों को नाराज कर सकते हैं। नतीजा यह हुआ कि वंदेमातरम् गीत के सिर्फ पहले के दो छंदों को ही अपनाया गया। आज अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांग्रेस पार्टी पर इस गीत को टुकड़े-टुकड़े करने का आरोप लगा रहे हैं तो उचित ही है। शास्त्रों में माता और मातृभमि को सर्वोपरि माना गया है। कहा गया है कि 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरियसी' यानी माता और मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है। वंदे मातरम् में यही भाव निहित है। वंदेमातरम गीत के इतिहास में जाएं तो 7 नवंबर 1875 को बंगाल के कांतल पाड़ा गांव में बंकिम चंद्र चटर्जी ने इस वंदेमातरम गीत की रचना की। मूल रूप से वंदे मातरम् के प्रारंभिक दो पद संस्कृत में थे और शेष गीत बांग्ला में। दिसंबर 1905 में कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक में गीत को राष्ट्रगीत का दर्जा प्रदान किया गया और बंगाल विभाजन के समय यह गीत राष्ट्रीय नारा बन गया।

जिन्ना ने किया था विरोध

कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में रविंद्र नाथ टैगोर ने इसका संशोधित रूप प्रस्तुत किया। 1923 में कांग्रेस अधिवेशन में मोहम्मद अली जिन्ना द्वारा इस्लाम की भावना के विरुद्ध बताकर वंदे मातरम् गीत का विरोध किया, लेकिन पंडित जवाहरलाल नेहरु, सुभाषचंद्र बोस, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद और आचार्य नरेंद्र देव की समिति ने 28 अक्टूबर 1937 को कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में पेश अपनी रिपोर्ट में इस राष्ट्रगीत के दो पहले पैराग्राफ को राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकृति दे दी। 1936 में भी महात्मा गांधी ने वंदे मातरम् गीत के बारे में कहा कि-'कवि ने हमारी मातृभूमि के लिए जो अनेक सार्थक विशेषण प्रयुक्त किए हैं, वे एकदम अनुकूल हैं, इनका कोई सानी नहीं है। अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम इन विशेषणों को यथार्थ में बदलें। मुझे कभी ख्याल नहीं आया कि यह गीत सिर्फ हिंदुओं के लिए रचा गया है।' यहां ध्यान देना होगा कि 1906 से 1911 तक यह गीत पूरा गाया जाता था। इस गीत में वह ताकत थी कि ब्रिटिश हुकूमत को बंगाल विभाजन का फरमान वापस लेना पड़ा। क्रांतिकारियों ने इस वंदे मातरम् आदर्श नारे को अपने संस्कार में ढाला और गीत के जरिए आजादी की जंग को गति देकर भारतीय जनमानस में जागृति पैदा की।

हर देश में राष्ट्रगीत का गायन

लोगों को लामबंद किया और ब्रिटिश राजसत्ता को उखाड़ फेंका। भगत सिंह, मदनलाल ढींगरा, राजगुरु और बिस्मिल जैसे क्रांतिकारियों ने वंदे मातरम् की आवाज लगाकर फांसी के फंदे को चूम लिया। गौर करें तो भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के हर देश में राष्ट्रगीत का गायन होता है। इस्लामी देशों में भी राष्ट्रगीत को समादर प्राप्त है और वह मातृभूमि को समर्पित है। अरबी में मातृभूमि को मादर-ए-वतन कहा जाता है जिसका मतलब मां से है। फारसी में मातृभूमि की उपमा मां से की गयी है। यमन के राष्ट्रगीत में झरनों की तुलना मां के दूध से की गई है। मिश्र के राष्ट्रगीत में मातृभूमि की तुलना मां से की गयी है। इसी तरह मलेशिया, सूडान, अरब, जार्डन सभी देशों में राष्ट्रगीत की परंपरा है और उसे किसी न किसी रूप में मातृभूमि और मां से जोड़ा गया है, तो क्या यह समझा जाए कि ये मुस्लिम देश इस्लाम की भावना का अनादर कर रहे हैं? बिल्कुल ही नहीं। फिर आज वंदे मातरम् के 150 वर्ष के जश्न पर ऐतराज और काली सियासत क्यों? क्यों न माना जाए कि कुछ मुठ्ठी भर लोग वंदे मातरम् गीत पर सवाल खड़ा करके क्रांतिकारियों का अपमान कर रहे हैं? उन्हें समझना होगा कि वंदे मातरम् गीत राष्ट्रीयता का स्वर है। साथ ही क्रांतिकारियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि भी।

राजनीतिक संकीर्णता का दायरा

इस गीत का विरोध आजादी के दिवानों का विरोध है। साथ ही राष्ट्रीयता की भावना पर कुठाराघात भी। यह ठीक नहीं है कि कुछ सियासी दल और तथाकथित संगठन अपने राजनीतिक फायदे के लिए वंदे मातरम् गीत को राजनीतिक संकीर्णता के दायरे में रखकर इस्लाम की मान्यताओं के खिलाफ प्रचारित कर रहे हैं। भला इस गीत से किसी मजहब और संप्रदाय को किस तरह चोट पहुंच सकती है? उचित होगा कि वे संकीर्णताओं के केंचूल से बाहर निकलकर राष्ट्रगीत वंदे मातरम् पर काली सियासत न करें। सामाजिक वातावरण विषाक्त बनता है। गत वर्ष पहले मध्यप्रदेश की कमलनाथ सरकार ने भी वंदे मातरम् के गायन पर पाबंदी थोप दी थी लेकिन जब इस निर्णय की आलोचना हुई तब यू-टर्न लेते हुए फैसला लिया गया कि हर महीने के पहले कार्य दिवस पर पुलिस बैंड की धुनों पर वंदे मातरम् गाया जाएगा। गत वर्ष जब मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को तमिलनाडु के स्कूलों में सप्ताह में दो बार गायन को अनिवार्य किया, तब भी कुछ सियासी दलों ने हायतौबा मचाना शुरू किया था। इसे मजहबी फ्रेम में फिट कर इस्लाम की भावना के विरुद्ध सियासी शोर में बदलने की कोशिश की गई। आज की तारीख में भी कुछ ऐसा ही उपक्रम देखने को मिल रहा है।

राष्ट्रीय गीत पर क्यों हो रही राजनीति

विवाद

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

वंदे मातरम को लेकर देश की राजनीति में एक बार फिर उबाल आ गया है। यह वही गीत है, जो आजादी की लड़ाई के दौरान करोड़ों भारतीयों के लिए संघर्ष, चेतना और आत्मबल का प्रतीक रहा, लेकिन 150 वर्ष बाद यह गीत एक बार फिर राजनीतिक और वैचारिक टकराव के केंद्र में आ गया है। बीते महीने सात नवंबर को 'वंदे मातरम्' गीत के 150 साल पूरे होने पर दिल्ली में एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने इस गीत के साथ तोड़-मरोड़ की। उन्होंने कहा कि 1937 में नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने मूल 'वंदे मातरम्' गीत से महत्वपूर्ण पद हटा दिए थे। 'वंदे मातरम्' को टुकड़ों में तोड़ दिया गया। इसने विभाजन के बीज भी बो दिए। यह अन्याय क्यों किया गया? वही विभाजनकारी विचारधारा आज भी राष्ट्र के लिए एक चुनौती बनी हुई है। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी स्कूलों में वंदे मातरम् के गायन को अनिवार्य करने का ऐलान कर मामले को और तूल दे दिया है। गोरखपुर में एकता पदयात्रा के दौरान योगी आदित्यनाथ ने ये घोषणा की और कहा कि कोई भी धर्म राष्ट्र से ऊपर नहीं है। योगी आदित्यनाथ की घोषणा पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तो आ ही रही हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से कांग्रेस पार्टी पर वंदे मातरम् गीत के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया है, उसे लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। बहरहाल, संसद के दोनों सदनों में भी इस राष्ट्रगीत पर लंबी-चौड़ी चर्चा हुई। लोकसभा में पीएम मोदी ने इस दौरान कई दावे किए। उन्होंने इस चर्चा के दौरान महात्मा गांधी से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और मोहम्मद अली जिन्ना का जिक्र किया। पीएम मोदी ने सवाल किया कि जब बापू को वंदे मातरम् नेशनल एंथम के रूप में दिखता था तो इसके साथ अन्याय क्यों हुआ? उन्होंने कांग्रेस पर सामाजिक समरसता की आड़ में इस गीत को तोड़ने का आरोप लगाया और कहा कि वह अभी भी तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। वहीं विपक्ष ने स्वतंत्रता आंदोलन में आरएसएस की भूमिका पर सवाल उठाए और कहा कि कांग्रेस पार्टी ने ही 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया था। हालांकि, विपक्ष ने कहा है कि सरकार पश्चिम बंगाल चुनाव के मद्देनजर वंदे मातरम् को मुद्दा बनाना चाहती है और इसके छंदों को हटाने पर राजनीति कर रही है। अहम सवाल यह है कि डेढ़ सौ साल पुराने इस मुद्दे को अचानक राजनीति और विवाद को केंद्र में लाने के पीछे वजह क्या है, इस पर भी सवाल उठ रहे हैं। माना जा रहा है कि आने वाले समय में पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव हैं। बीजेपी इस चुनाव में किसी भी तरह जीत हासिल करना चाहती है।

1870 के दशक में लिखा गया यह गीत आज भी देश के राजनीतिक गलियारों में एक खास जगह रखता है और इस पर अलग-अलग पार्टियों के अपने विचार हैं। खैर, आज की राजनीति भावनाओं को बहुत तेजी से भुनाती है।

इससे पार्टी को उम्मीद है कि वह तृणमूल कांग्रेस को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के सवाल पर घेर सकेगी। वहीं, कांग्रेस, टीएमसी और समाजवादी पार्टी जैसी विपक्षी पार्टियां इस बहस में आरएसएस की स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका और हिंदुत्व विचारधारा से जुड़े कुछ नेताओं के राष्ट्रीय प्रतीकों पर पुराने बयानों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। विपक्ष का आरोप है कि बीजेपी सांस्कृतिक प्रतीकों का राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रही है ताकि मौजूदा आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके। साफ है, 1870 के दशक में लिखा गया यह गीत आज भी देश के राजनीतिक गलियारों में एक खास जगह रखता है और इस पर अलग-अलग पार्टियों के अपने विचार हैं। खैर, आज की राजनीति भावनाओं को बहुत तेजी से भुनाती है। एक नारा, एक गीत, एक इतिहास का पन्ना और फिर उसे वोट की शक्ल दे दी जाती है। प्रधानमंत्री जब कांग्रेस पर तुष्टिकरण का आरोप लगाते हैं और विपक्ष जब सत्ता पक्ष पर इतिहास के अपहरण का आरोप लगाता है, तो आम आदमी कहीं बीच में खड़ा रह जाता है। एक साधारण नागरिक यही सोचता है कि क्या यह बहस उसकी महंगाई, बेरोजगारी, प्रदूषण और हवाई टिकट की कीमतें कम कर देगी। एक तरफ़ हम अतीत के गौरव में खड़े होकर ताली बजा रहे हैं, दूसरी तरफ वर्तमान की परेशानी दरवाजे पर खड़ी है। राजनीति अक्सर यही करती है। वह भावनाओं की रोशनी में हकीकत की छाया को ढक देती है। अब प्रश्न उत्पन्न होता है कि क्या हम आज भी इस संविधान की भावना के अनुकूल देश की दशा और दिशा तय कर रहे हैं या नहीं? दरअसल, वंदे मातरम पर संसद की बहस हमें किसी एक निष्कर्ष तक नहीं पहुंचाती है, बल्कि कई सवालों के बीच खड़ा कर देती है।

वंदे मातरम् को क्रान्ति गीत ही रहने दीजिए

मंथन

सुनील अमर

स्वतंत्र पत्रकार

लगभग डेढ़ सौ वर्ष पहले लिखा गया 'वंदे मातरम्' एक अद्भुत राष्ट्रीय गीत है। कुल छह छन्दों वाले इस संस्कृतनिष्ठ बांग्ला भाषा के गीत के पहले दो छंद तो खासकर बहुत ही मनमोहक और हृदयंगम हैं और इन्हें ही राष्ट्रगीत के रूप में लिया गया है। भाजपा नीत केंद्र सरकार द्वारा इस गीत के खंडित व सम्पूर्ण स्वरूप को लेकर इन दिनों सड़क से संसद तक बहस चलाई जा रही है। भाजपा का आरोप है कि आजादी की लड़ाई के शुरुआती दौर से ही कांग्रेस ने इस गीत के साथ अन्याय किया है और आजादी के बाद भी सम्पूर्ण गीत को न लेकर इसके एक अंश को ही राष्ट्रगीत की मान्यता दी। कांग्रेस का कहना है कि ऐसा किसी द्वेषवश नहीं, बल्कि उस वक्त सभी धर्मावलम्बियों की भावनाओं को ध्यान में रखकर किया गया था। इस गीत के रचयिता बंकिमचन्द्र चटर्जी कलकत्ता विश्वविद्यालय के पहले स्नातक थे और पहले हिन्दुस्तानी थे जिन्हें इंग्लैंड की महारानी ने भारतीय उपनिवेश में सन् 1858 में डिप्टी कलेक्टर के पद पर नियुक्त किया था। चटर्जी अच्छे लेखक और कवि थे। उनका लिखा यह गीत मानों जनता के विरोध का क्रांति गीत ही बन गया। बंगाल में इसकी लोकप्रियता को देखकर ही शायद उस समय कांग्रेस व अन्य स्वाधीनता संग्राम संगठनों ने भी इसे अपनाना शुरू किया। इस गीत के पहले दो छंद जो राष्ट्रगीत में लिए गए, वे सार्वभौमिक व सर्वकालिक हैं और संस्कृत में हैं तथा शेष रचना बांग्ला भाषा में है और भारतीय देवी मां दुर्गा की स्तुति में है। इसी वजह से देश के अन्य धर्मावलम्बियों द्वारा इसे सम्पूर्ण रूप में राष्ट्रगीत स्वीकार करने से इनकार किया जाता रहा है। भाजपा आज इस गीत को पूर्ण स्वरूप में लागू किए जाने की वकालत कर रही है तो अन्य लोग संविधान के पंथनिरपेक्षता का हवाला दे रहे हैं। असदुद्दीन ओवैसी ने सदन में कहा कि हमारे संविधान की प्रस्तावना 'भारत माता' से नहीं बल्कि 'हम भारत के लोग' से शुरू होती है। उन्होंने तर्क दिया कि बाबा साहेब ने तो भारत माता के विचार को ही खारिज कर दिया था। देखा जाए तो हिन्दू धर्मावलम्बियों के लिहाज से यह पूरा गीत ही बहुत मनोहर और देवी स्तुति के स्तर का है। दुनिया के अन्य लोकतांत्रिक देशों में भी राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान हैं तथा तमाम अवसरों पर गाए जाते हैं लेकिन उनके गायन के पीछे स्वतःस्फूर्त का भाव होता है, जबर्दस्ती का नहीं। 'वंदे मातरम्' को लेकर धर्म, क्षेत्रीयता और वैचारिकता को उभारने के बजाए अगर इतने सुन्दर गीत के मर्म को समझा जाए तो इस गीत में न सिर्फ प्राकृतिक निधियों का सम्मान बल्कि रीति-रिवाजों पर गर्व, राष्ट्रीय एकता पर जोर तथा ऐतिहासिकता की भी चर्चा है, जो इसे महत्त्वपूर्ण बनाती है। अच्छा होगा, अगर इसे धर्म और राजनीति से जरा दूर ही रखा जाए।

इस गीत में न सिर्फ प्राकृतिक निधियों का सम्मान बल्कि रीति-रिवाजों पर गर्व, राष्ट्रीय एकता पर जोर, ऐतिहासिकता की भी चर्चा है, जो इसे महत्त्वपूर्ण बनाती है।

'भारत की आत्मा' पर संसद में राजनीतिक विवाद द्वेषपूर्ण

मुद्दा

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

संसद के दोनों सदनों में वंदे मातरम् पर हुई बहस ने निस्संदेह देश के अंदर बहुत बड़े वर्ग में देश भक्ति का भाव गहरा किया है तो दूसरी ओर क्षोभ और गुस्सा भी पैदा हुआ है। आम भारतीय को उम्मीद नहीं थी कि वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने का भावपूर्ण पवित्र अवसर भी राजनीतिक विवाद, तनाव तथा आरोप-प्रत्यारोप का कारण बन जाएगा।

इसका सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष रहा संसद के अंदर विपक्ष द्वारा एक स्वर में वंदे मातरम् का स्वागत नहीं किया जाना। विपक्ष के नाते सरकार का मुद्दों पर विरोध का अर्थ यह नहीं है कि महान और पवित्र अवसर को भी राजनीतिक तू तू, मैं मैं बदल दिया जाए। यह सही है कि मुख्य विपक्षी पार्टी के नेताओं ने सीधे वंदे मातरम् को गलत नहीं बताया , किंतु भारत भक्ति भाव के रूप में समान रूप से सबके अंदर विद्यमान हो और यह राष्ट्रीय एकता के प्रति संकल्प और प्रतिबद्धता घनिभूत का अवसर बन जाए, इसका रंच मात्र भी संदेश नहीं दिया गया। 7 नवंबर, 1875 को महान बांग्ला साहित्यकार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने यह गीत लिखा था। इस तरह 150 साल 7 नवंबर, 2025 को पूरे हुए। यह सच है कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार नहीं होती तो इसका 150वां वर्ष नहीं मनाया जाता। यह भी सच्चाई है कि इसे राष्ट्रगीत स्वीकार करते हुए भी संसद में गाने की परंपरा नहीं शुरू की गई। 1992 में भाजपा के लालकृष्ण आडवाणी तथा राम नायक ने यह मुद्दा उठाया और संसद में वंदे मातरम् का गान शुरू हो सका। बावजूद जबसे लाइव प्रसारण शुरू हुआ, देश ने देखा कि कई सांसद इस राष्ट्रगीत के समय सदन से बाहर चले गए। यह प्रश्न तो उठेगा कि आखिर संसद में इसका गान क्यों नहीं होता रहा? लोकसभा में चर्चा की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी दृष्टि से सारे तथ्य रखे तो राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने। दोनों के वक्तव्य का मूल यही था कि यह भावगीत अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष और दासता से मुक्ति तक ही प्रासंगिक नहीं था यह सदा के लिए है , जो भारत के लिए जीने व काम करने की प्रेरणा देता रहेगा। 7 नवंबर , 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 1 वर्ष तक चलने वाले समारोहों की भव्य शुरुआत हुई। विशेष सिक्का और डाक टिकट भी जारी हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हर गीत, हर काव्य का अपना एक मूल भाव होता है, मूल संदेश होता है। वंदे मातरम् का मूल भाव है- भारत, मां भारती। लोकसभा में भी उनका स्वर यही था। अमित शाह ने इसे स्वतंत्रता, संस्कृति और राष्ट्रभक्ति का सबसे शक्तिशाली जय घोष बताया। इस गीत को विवादास्पद या किसी एक धर्म का बताने वाले कुछ तथ्यों का ध्यान रखें- 1896 में कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने इसे गाया था, 1905 में बंगाल में विभाजन विरोधी और स्वदेशी आंदोलन के दौरान वंदे मातरम् विरोध का मुख्य सुर बना, 7 अगस्त , 1905 को वंदे मातरम् नारे के रूप में गाया गया था, 1907 में मैडम भीकाजी कामा ने विदेश में वंदे मातरम लिखा ध्वज ही फहराया था। कांग्रेस के वाराणसी अधिवेशन में वंदे मातरम् गीत को पूरे भारत समारोहों के लिए अपनाया गया, 24 जनवरी, 1950 को इसे राष्ट्रीय गीत के तौर पर स्वीकार किया गया।

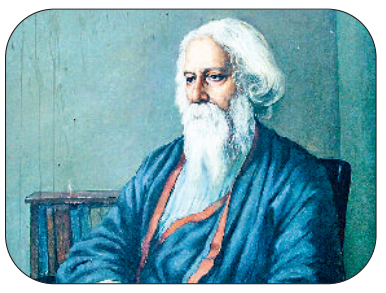

संसद में जब से लाइव प्रसारण शुरू हुआ, देश ने देखा कि कई सांसद इस राष्ट्रगीत के समय सदन से बाहर चले गए। यह प्रश्न तो उठेगा कि आखिर संसद में इसका गान क्यों नहीं होता रहा?

यह अंग्रेजी शासन के विरोध का सबसे बड़ा भावनात्मक गीत बन गया था। पूरे भारत में अंग्रेजों के विरुद्ध उठने वाले हर विरोध और आंदोलन में वंदे मातरम् गूंजने लगा। प्रश्न है कि क्या वंदे मातरम् जिसने हजारों भारतवासियों, जिनमें हंसते-हंसते बलिदान होने वाले क्रांतिकारी भी थे,को प्रेरित किया, उसका 150वां वर्ष नहीं मनाया जाना चाहिए? क्या इसलिए नहीं मनाया जाना चाहिए कि अगले वर्ष बंगाल के साथ कुछ राज्यों के चुनाव हैं? इससे दिल दहलाने वाला कुतर्क कुछ नहीं हो सकता। 7 नवंबर, 2025 को पूरे देश में एक साथ वंदे मातरम् के गायन से जो भाव पैदा हुआ और जिस तरह पूरे देश में वंदे मातरम् अभियान चला है, उससे उम्मीद जगती है कि भारत के लिए जीने और काम करने का भाव ही ज्यादा प्रबल होगा और विरोधी कमजोर पड़ेंगे।

'वंदे मातरम्' की 150 वर्षों की अखण्ड गूंज

ऐतिहासिक पर्व

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ पत्रकार

राहुल बाबा सरीखे 'वंदे मातरम्' विरोधियों के लिए कुछेक तथ्य जानना आवश्यक है। वरना खतरा तो यह भी है कि किसी दिन अपने मोदी-विरोध की लहर में यह भी भूल जाएं कि वंदे मातरम् पहली बार 1896 में कांग्रेस के ही कलकत्ता अधिवेशन (अब कोलकाता) में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने 7 अगस्त, 1905 में एक राजनीतिक राष्ट्रीय पहचान के रूप में गाया था, तब वह कटा-फटा भी नहीं था। पूरा गीत था, जिसे बंकिम बाबू ने अपने चर्चित उपन्यास आनंद मठ में दिया था। वर्ष 1947 में पंडित ओंकार नाथ ठाकुर ने गाया था। समय की अनंत और अविराम धारा में कुछ तिथियां केवल पंचांग के पन्ने नहीं होतीं, वे किसी राष्ट्र की चेतना का 'प्रस्थान बिंदु' बन जाती हैं। 7 नवंबर 1875 एक ऐसी ही ऐतिहासिक तारीख थी, जब बंगाल के एक शांत कोने में ऋषि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की कलम से स्याही नहीं बल्कि भारत की आत्मा टपकी थी। उस दिन जिस गीत- 'वंदे मातरम्' का जन्म हुआ, आज वर्ष 2025 में हम उसी महामंत्र के 150 वर्ष पूरे होने का ऐतिहासिक पर्व मना रहे हैं। यह उत्सव केवल एक गीत की रचना का नहीं है, यह उस 'नाद-ब्रह्म' का उत्सव है जिसने एक सोए हुए उपमहाद्वीप को राष्ट्र के रूप में जगा दिया। यह पर्व उन शब्दों का है जिन्होंने बिना किसी शस्त्र के ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी थी। यह उस दौर का गीत है, जब भारत गुलामी के गहन अंधकार में डूबा था। निराशा के उस वातावरण में, बंकिम बाबू ने जब अपनी मातृभूमि को देखा तो उन्हें वहां केवल मिट्टी, नदियां या पहाड़ नहीं दिखे। उन्हें वहां साक्षात् 'जगद्धात्री' मां के दर्शन हुए। उन्होंने देखा- सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम'। यह गीत किसी बंद कमरे की बौद्धिक कसरत नहीं था बल्कि एक दैवीय अंतर्दृष्टि थी। वर्ष 1882 में जब यह उनके कालजयी उपन्यास 'आनंदमठ' का हिस्सा बना तो यह मात्र एक कविता से रूपांतरित होकर 'संन्यासी विद्रोह' का रणघोष बन गया लेकिन नियति ने इसके लिए इससे भी बड़ा मंच और व्यापक आकाश तैयार कर रखा था। वर्ष 1905 में जब लॉर्ड कर्जन ने बंगाल के सीने पर आरी चलाने का दुस्साहस किया तो प्रतिरोध की उस ज्वाला में 'वंदे मातरम्' घी बनकर गिरा। देखते ही देखते यह दो शब्दों का संबोधन, एक विराट जन-आंदोलन में बदल गया। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने जब इसे सुरों में पिरोया, तो इसकी गूंज कलकत्ता की गलियों से निकलकर लाहौर, पुणे और मद्रास तक जा पहुंची। यह वह दौर था जब 'वंदे मातरम' बोलना राजद्रोह था, लेकिन भारतवासियों के लिए यह 'राष्ट्रधर्म' बन चुका था। स्वतंत्रता की वेदी पर चढ़ने वाले अनगिनत परवानों के लिए यह गीत 'गीता' के श्लोकों जैसा पवित्र था। खुदीराम बोस, मदनलाल ढींगरा, रामप्रसाद बिस्मिल और भगत सिंह जैसे वीरों ने जब फांसी के फंदे को गले लगाया तो अंतिम सांस के साथ जो शब्द वायुमंडल में विलीन हुए, वे 'वंदे मातरम्' ही थे। यह गीत उस समय भय से मुक्ति का पर्याय बन गया था। इसने भारतीयों को सिखाया कि अपनी जननी जन्मभूमि की आराधना करना कोई अपराध नहीं बल्कि सर्वोच्च मानवीय कर्तव्य है। इसी ऐतिहासिक महत्व को स्वीकारते हुए स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने इस गीत को वही सम्मान दिया जो राष्ट्रगान 'जन गण मन' को प्राप्त है। 150 वर्षों का यह सफर गवाह है कि सरकारें बदलती रहीं, नीतियां बनती-बिगड़ती रहीं लेकिन 'वंदे मातरम्' का ओज कभी कम नहीं हुआ। शिया धर्म गुरु यासूब अब्बास कहते हैं कि वंदे मातरम् का विरोध सिर्फ जहालियत है। इसमें कहीं भी मातृभूमि की पूजा करने की बात नहीं कही गई है। उस धरती के प्रति सम्मान की बात है, जहां हम पैदा हुए हैं, जहां हमें वापस जाकर मिल जाना है। वे अपनी बात को और आगे बढ़ाते हुए इस्लाम की चर्चा करते हैं और कहते हैं कि इस्लाम में अल्लाह के सामने झुकने की बात कही गई है, यह सच है और हर मुसलमान को ऐसा करना भी चाहिए। इस्लाम बिल्कुल ऐसा नहीं कहता कि आप किसी का सम्मान न करें। सम्मान का मतलब पूजा नहीं है। वंदे मातरम् का सीधा अर्थ मां का सम्मान है, और कुछ भी नहीं।

यह गीत किसी बंद कमरे की बौद्धिक कसरत नहीं था बल्कि एक दैवीय अंतर्दृष्टि थी। वर्ष 1882 में जब यह उनके कालजयी उपन्यास 'आनंदमठ' का हिस्सा बना तो यह मात्र एक कविता से रूपांतरित होकर 'संन्यासी विद्रोह' का रणघोष बन गया

मुस्लिम स्कॉलर नासिरुद्दीन हैदर खान की मानें तो यह मामला नासमझी का ज्यादा है। यह हमारे देश का राष्ट्रगीत है, इसे पढ़ने, गाने या न पढ़ने, गाने के लिए कोई कानूनी प्रतिबंध नहीं है। कोई जोर-जबरदस्ती करता है तो भारत का कानून पीड़ित के साथ खड़ा है। सात हजार गीतों में दूसरे नंबर पर चुना जाना इसकी लोकप्रियता को दर्शाता है। मूल रूप से बांग्ला एवं संस्कृत में लिखा गया यह गीत कई अन्य भाषाओं में अनुवाद किया गया, यह भी इसकी लोकप्रियता को दर्शाता है। एक अन्य मुस्लिम स्कॉलर गुफरान नसीम कहते हैं कि इससे जुड़ा विवाद 1937 में ही खत्म हो गया था, जब मौलानाओं की आपत्ति के बाद जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने पहली दो पंक्तियों को राष्ट्रगीत के रूप में मंजूरी दी थी। समिति ने पाया था कि पहले दो पैरा मातृ भूमि की प्रशंसा में हैं, गीत में उसके आगे हिन्दू देवी-देवताओं का जिक्र किया गया है, इसीलिए दो पारा को ही मान्यता दी गई जिससे किसी की भावना आहत न होने पाए और अंत में 24 जनवरी 1950 को इसे राष्ट्र ने राष्ट्रगीत के रूप में मंजूर कर लिया।

हरियाणा आर्चरी एसोसिएशन के चुनाव संपन्न, कैप्टन अभिमन्यु तीसरी बार बने अध्यक्ष

■ राजीव जैन और पवन शर्मा उपाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिवक्ता रामनिवास हुड्डा सचिव बने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा आर्चरी एसोसिएशन के चुनाव शनिवार को शहर के सागर विला होटल में शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुए। जिसमें निर्विरोध तीसारी बार कैप्टन अभिमन्यु को एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना गया है। चुनाव प्रक्रिया की निगरानी आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के उप प्रधान अमरेंद्र सिंह तथा हरियाणा ओलंपिक संघ के उप प्रधान राकेश सिंह ने पर्यवेक्षक (ऑब्जर्वर) के रूप में की। दोनों पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में परिणाम घोषित किए गए, जिससे चुनाव की निष्पक्षता पर सभी ने संतोष व्यक्त किया। एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें उपाध्यक्ष पद पर राजीव जैन और पवन शर्मा निर्वाचित हुए। सचिव पद की जिम्मेदारी वरिष्ठ अधिवक्ता रामनिवास हुड्डा को सौंपी गई है। वहीं संयुक्त सचिव के रूप में स्वर्ण सिंह और अमित यादव को चुना गया। कोषाध्यक्ष पद पर सुभाष श्योराण को निर्वाचित किया गया। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में सुरेंद्र शर्मा, कपिल कुमार, मुनीत बेरवाल, दीपक अहलावत, संजय सुहाग को शामिल किया गया है। चुनाव परिणामों की घोषणा रिटर्निंग ऑफिसर अजय सिंह (डीडीए, रिटायर्ड) द्वारा की गई।

रोहतक। एसोसिएशन के अध्यक्ष कैप्टन अभिमन्यु के साथ पदाधिकारी और अन्य।

रोहतक। चुनाव के दौरान संबोधित करते कैप्टन अभिमन्यु।

रोहतक। चुनाव के दौरान मौजूद एसोसिएशन के पदाधिकारी और सदस्य।

कैप्टन बोले: प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे

कैप्टन अभिमन्यु सिंधु ने कहा कि हरियाणा में आर्चरी खेल की मजबूत परंपरा रही है और यहां के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। नई कार्यकारिणी का लक्ष्य खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं, पारदर्शी चयन प्रक्रिया और समय पर प्रतियोगिताओं का आयोजन सुनिश्चित करना रहेगा। सभी जिलों में ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। इसके लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा। इस दौरान सभी जिलों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

अमरेंद्र सिंह ने कहा: हरियाणा देश के अग्रणी आर्चरी राज्यों में शामिल

आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के उप प्रधान अमरेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा देश के अग्रणी आर्चरी राज्यों में शामिल है। नई टीम को आधुनिक प्रशिक्षण तकनीक, कोचों के विकास और खिलाड़ियों के मानसिक व शारीरिक सशक्तिकरण पर ध्यान देना चाहिए। अमरेंद्र सिंह ने आश्वासन दिया कि आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया हरियाणा को हर संभव तकनीकी और प्रशासनिक सहयोग प्रदान करेगा। हरियाणा ओलंपिक संघ के उप प्रधान राकेश सिंह ने भी चुनाव के सफल आयोजन पर बधाई देते हुए कहा कि पारदर्शी चुनाव से ही खेल संगठनों में विश्वास मजबूत होता है और खिलाड़ियों को सही दिशा मिलती है।

खबर संक्षेप

हरिकेंस ने जीता महिला बिग बैश लीग का खिताब

बेलेरिव ओवल। होबार्ट हरिकेंस ने होबार्ट के बेलेरिव ओवल में पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ आठ विकेट से शानदार जीत हासिल करके पहली बार महिला बिग बैश लीग खिताब जीता। हरिकेंस ने सिर्फ 15 ओवर में 138 रनों का आसान लक्ष्य हासिल कर लिया। इसका श्रेय साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी लिजेल ली की शानदार पारी को जाता है, जिन्होंने 44 गेंदों में 77 रन बनाए। इसमें 10 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उन्होंने सिर्फ 32 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। ली को हाल ही में वीमेंस प्रीमियर लीग ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने 30 लाख रुपए की बेस प्राइस पर खरीदा था।

राफेल नडाल ने कराई हाथ की सर्जरी

नई दिल्ली। संन्यास ले चुके टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने बताया कि दर्द का इलाज करने और चलने-फिरने में मदद के लिए उनके दाहिने हाथ की सर्जरी हुई है। बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नडाल बाएं हाथ से खेलते हैं। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह लंबे समय से इस समस्या से जूझ रहे थे। नडाल ने सोशल मीडिया पोस्ट के साथ अपनी एक फोटो भी पोस्ट की, जिसमें उनके दाहिने हाथ पर पट्टी बंधी हुई थी और हाथ स्लिंग में था। उन्होंने मजाक में यह भी लिखा कि वह अगले साल के पहले मेजर ऑस्ट्रेलियन ओपन में नहीं खेल पाएंगे। नडाल के प्रतिनिधि के एक अलग बयान के अनुसार सर्जरी का मकसद उनके दाहिने अंगूठे के जोड़ के दर्द को कम करना और चलने-फिरने में मदद करना था। यह सर्जरी बार्सीलोना के एक निजी स्वास्थ्य क्लिनिक में की गई।

पोस्टर में पाक कप्तान की फोटो गायब, पीसीबी खफा

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के टिकटों की बिक्री के लिए जारी किए गए प्रचार पोस्टर में अपने कप्तान सलमान अली आगा की तस्वीर न होने से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से नाखुश है। पीसीबी के सूत्र ने बताया कि इस मामले को आईसीसी के समक्ष उठाया गया है क्योंकि प्रचार पोस्टर में केवल पांच कप्तानों की तस्वीर है। इसमें सूर्यकुमार यादव (भारत), एडेन मार्करम (दक्षिण अफ्रीका), मिचेल मार्श (ऑस्ट्रेलिया), दासुन शनाका (श्रीलंका) और हैरी ब्रूक (इंग्लैंड) शामिल है। सूत्र ने कहा, 'कुछ महीने पहले एशिया कप के दौरान भी हमें इसी तरह की समस्या का सामना करना पड़ा था, उस समय प्रसारकों ने हमारे कप्तान की तस्वीर के बिना ही प्रचार अभियान शुरू कर दिया था।'

शाम 7 बजे से भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीसरा टी-20

सूर्यकुमार चल रहे फ्लॉप, गिल से निराशा बढ़त के लिए हाई-वोल्टेज भिड़ंत आज

एजेंसी ▶▶| धर्मशाला

भारतीय टीम पांच मैचों की श्रृंखला के तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 14 दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो सब की निगाहें शुभमन गिल की बल्लेबाजी पर होगी, जो इस प्रारुप में खुद को साबित कर चुके संजू सैमसन की जगह लेने के बाद अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने में नाकाम रहे हैं।

कप्तान सूर्यकुमार यादव की लंबे समय से चली आ रही खराब लय पर सवाल उठ रहे हैं, जबकि उपकप्तान गिल अब तक भरोसा जगाने में नाकाम रहे हैं। संजू सैमसन जैसे स्थापित सलामी बल्लेबाज की कीमत पर टीम में शामिल किए गए गिल प्रभाव छोड़ने में संघर्ष करते नजर आए हैं।

दक्षिण अफ्रीकी टीम की तेज गेंदबाजी का आक्रमण

एनरिच नॉर्किया, मार्को यानसन, लुंगी एनगिडी, ओटनील बार्टमैन और लुथो सिपामला जैसे गेंदबाजों से सजी दक्षिण अफ्रीकी टीम की तेज गेंदबाजी आक्रमण पहले ही दिखा चुकी है कि भारतीय परिस्थितियों का कैसे फायदा उठाया जाए। धर्मशाला में परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल होगी। दुनिया भर की मौजूदा टी20 टीमों को देखे तो दक्षिण अफ्रीका इस बार उपमहाद्वीप में खिताब जीतने के लिए काफी मजबूत और संतुलित नजर आ रहा है। क्विंटन डिकॉक की वापसी और उनके साथ कप्तान एडन मारक्रम, डेवाल्ड ब्रेविस, डोनोवन फरेरा, डेविड मिलर और हरफनमौला यानसन की मौजूदगी ने उनकी बल्लेबाजी को बेहद खतरनाक बना दिया है।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, संजू सैमसन।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मारक्रम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसन, केशव महाराज, लूथो सिपामला, एनरिक नोर्किया, लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, रीजा हेंड्रिक्स, कॉर्बिन बॉश, ओटनील बार्टमैन।

गिल को करना होगा असाधारण प्रदर्शन

गिल को अजित अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के फैसले को सही साबित करने के लिए असाधारण प्रदर्शन करना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ एक खराब श्रृंखला के बाद संजू सैमसन को बाहर करने का निर्णय अब भी सवालों के घेरे में है। टेस्ट और वनडे में कलात्मक बल्लेबाजी करने वाले कप्तान गिल को टी20 प्रारुप में दोबारा खुद का ढालना होगा। उन्हें बाकी तीन में से कम से कम दो मैचों में बड़ी पारियां खेलनी होंगी। ऐसा नहीं हुआ तो सैमसन की वापसी या फिर 165 की शानदार टी20 अंतरराष्ट्रीय स्ट्राइक रेट वाले यशस्वी जायसवाल को न्यूजीलैंड श्रृंखला में मौका मिल सकता है।

विश्व कप से पहले भारत के पास सिर्फ आठ मैच

विश्व कप से पहले अब भारत के पास सिर्फ आठ मैच बचे हैं। ऐसे में मुख्य कोच गौतम गंभीर के सामने कठिन चुनौतियां हैं। खराब फॉर्म से जूझ रहे शीर्ष क्रम के दो बल्लेबाजों को एक साथ खिलाना शायद टीम के लिए जोखिम भरा साबित हो सकता है। कप्तान होने के नाते सूर्यकुमार यादव को एक साल से खराब फॉर्म के बावजूद विश्व कप तक कुछ हद तक सुरक्षा मिलने की संभावना है। लेकिन यह छूट गिल को मिलना मुश्किल है क्योंकि वह एशिया कप से पहले तक पारी का आगाज करने के लिए मूल विकल्प नहीं थे। छोटे प्रारुप की टीम में उनकी वापसी अब ऐसे फैसले की तरह दिख रही है, जिसमें बिना जरूरत एक संतुलित संयोजन से छेड़छाड़ की गई।

अंडर-19 एशिया कप

भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला आज

एजेंसी ▶▶| दुबई

अंडर-19 एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार यानी 14 दिसंबर को महामुकाबला होगा, जिसमें दोनों टीमों की नजर जीत की लय को बनाए रखने को होगी। भारत और पाकिस्तान ग्रुप ए में हैं और दोनों ही टीमों ने अपने-अपने पहले लीग मैच जीते थे। दोनों टीमों के अभी 2-2 अंक हैं, लेकिन बेहतरीन रन रेट के आधार पर पाकिस्तान ग्रुप ए की अंकतालिका में पहले स्थान पर है जबकि भारत दूसरे नंबर पर है। भारत ने पहले मैच में यूएई को 234 रन से हराया था, लेकिन पाकिस्तान ने मलेशिया पर तो उससे भी बड़ी जीत दर्ज की थी और उसे 297 रन से जीत हासिल हुई थी।

पाकिस्तान और भारत के बीच होने वाला मैच भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10 बजे से खेला जाएगा और दोनों टीमें दुबई में एक-दूसरे के आमने सामने होंगे। भारत और यूएई के बीच, जो मैच खेला गया था उस दौरान पिच बिल्कुल ही सपाट नजर आ रही थी और बल्लेबाजों को खूब मदद मिल रही थी। अब ये देखना दिलचस्प होगा कि भारत-पाकिस्तान का मैच उसी पिच पर होता है या किसी अन्य पिच पर, लेकिन दुबई में अब तक हुए दोनों मुकाबलों में ये देखने को मिला की रन खूब बने।

भारत की प्लेइंग इलेवन में बदलाव की संभावना कम

पाकिस्तान के खिलाफ भारत की प्लेइंग इलेवन में किसी बदलाव की संभावना कम ही नजर आती है क्योंकि टीम अपने विनिंग कांबिनेशन के साथ ही उतरना चाहेगी। भारत के लिए पारी की शुरुआत वैभव सूर्यवंशी के साथ कप्तान आयुष महात्रे करेंगे। वैभव गजब की लय में हैं और पाकिस्तान के खिलाफ भी उनसे इसी तरह से प्रदर्शन की अपेक्षा रहेगी। यूएई के खिलाफ अन्य भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। भारतीय बैटिंग लाइनअप में वैभव और आयुष के बाद एरोन जॉर्ज, विहान मलहोत्रा, वेदान्त त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू, कनिष्क चौहान होंगे जबकि गेंदबाजी की जिम्मेदारी खिलान पटेल, हेनिल पटेल, दीपेश देवेंद्रन, कनिष्क सिंह संभालते नजर आएंगे।

डेजर्ट वाइपर्स की लगातार पांचवीं जीत गल्फ जायंट्स को 8 विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| दुबई

खुजैमा तनवीर के चार विकेट के बाद सैम कुरेन और मैक्स होल्डेन के बीच 77 गेंद में 123 रनों की अटूट साझेदारी से डेजर्ट वाइपर्स ने गल्फ जायंट्स को आठ विकेट से हराकर आईएलटी20 के मौजूदा सत्र में लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। तनवीर ने 10 रन देकर चार विकेट लिए, जो आईएलटी20 के इतिहास में यूएई के किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वह इसके साथ ही इस लीग के पावरप्ले में चार विकेट लेने वाले अपने देश के पहले गेंदबाज भी बन गए। गल्फ जायंट्स की टीम खराब शुरुआत के बावजूद सात विकेट पर 157 रन का स्कोर खड़ा करने में सफल रही।

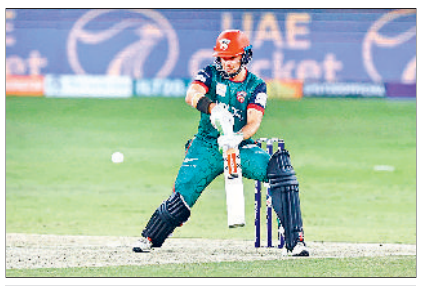

कुरेन ने खेली 67 रन की नाबाद पारी

लक्ष्य का पीछा करते हुए वाइपर्स ने दूसरे ओवर में क्रिस वुड की गेंद पर फखर जमां (आठ गेंद में 14 रन) और फिर चौथे ओवर में हसन नवाज (नौ गेंद में सात रन) का विकेट गंवा दिया। नवाज रन आउट हुए। कुरेन और होल्डेन ने इसके बाद आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को 19 गेंद शेष रहते आसान जीत दिला दी। कुरेन ने 43 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के की मदद से नाबाद 67 रन की पारी खेली जबकि होल्डेन ने 41 गेंद में नाबाद 64 रन बनाए।

गिरोना ने रीयाल सोसिएदाद को 2-1 से हराया...

मैड्रिड। यूक्रेन के स्ट्राइकर विक्टर त्सिगानकोव के आखिरी 15 मिनट में दो गोल की मदद से गिरोना ने स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग में रीयाल सोसिएदाद पर 2-1 से जीत हासिल की। यह 'ला लीगा' के मौजूदा सत्र में प्रतिद्वंद्वी टीम के मैदान पर गिरोना की पहली जीत है। गोंकालो गुएडेस ने हाफ टाइम से 10 मिनट पहले एक शानदार स्ट्राइक के साथ सोसिएदाद के लिए गोल किया, लेकिन त्सिगानकोव ने आठ मिनट के अंदर (76वें और 84वें मिनट) दो गोल के साथ गिरोना को रेलीगेशन जोन (20 टीमों की तालिका में आखिरी दो स्थान) से बाहर निकाल दिया। इस जीत से गिरोना की टीम तालिका में 17वें स्थान पर पहुंच गई। सोसिएदाद 14वें पायदान पर है।

राष्ट्रीय निशानेबाजी ओलंपियन रेइजा ढिल्लों को स्कीट में दो स्वर्ण

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक खेल चुकी रेइजा ढिल्लों ने राष्ट्रीय निशानेबाजी चैम्पियनशिप में महिलाओं के सीनियर और जूनियर दोनों वर्गों में स्कीट में स्वर्ण पदक जीता। 21 वर्ष की इस निशानेबाज ने महिलाओं के फाइनल में 56 स्कोर करके यशस्वी राठौड़ को हराया जिसने 55 अंक के साथ रजत पदक जीता। ओलंपियन गनीमत सेखों को कांस्य पदक मिला। इससे पहले क्वालीफिकेशन में यशस्वी ने 118 अंक लेकर शीर्ष स्थान पाया था जबकि गनीमत और रेइजा के 116 अंक थे। शूटआफ में रेइजा दूसरे और गनीमत तीसरे स्थान पर रही। महिला टीम वर्ग में राजस्थान को स्वर्ण पदक मिला। यशस्वी दर्शना और ओलंपियन माहेश्वरी चौहान ने 343 अंक लेकर पहला स्थान हासिल किया। मध्यप्रदेश दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर रहा। जूनियर वर्ग में रेइजा को स्वर्ण, वंशिका तिवारी को रजत और मानसी रघुवंशी को कांस्य पदक मिला। जूनियर टीम वर्ग में मध्यप्रदेश पहले, राजस्थान दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर रहा।

16 दिसंबर को आईपीएल नीलामी में खिलाड़ियों के लगेगी बोली

आईपीएल में 2008 से 2025 तक सबसे महंगे खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया की सबसे बड़ी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीजन के लिए जल्द ही ऑक्शन होने वाला है। 16 दिसंबर को आईपीएल की नीलामी के तहत खिलाड़ियों के नाम पर बोली लगेगी, जिसमें कुछ खिलाड़ियों को उनकी उम्मीद के हिसाब से रकम नहीं मिलेगी, जबकि कुछ प्लेयर्स को तिजोरी खोलकर पैसा मिलता नजर आएगा। इन सभी में एक खिलाड़ी ऐसा भी होगा, जिस पर सबसे महंगी बोली लगेगी और वह आईपीएल 2026 ऑक्शन का सबसे महंगा प्लेयर बनेगा। ऐसे में जानते हैं कि साल 2008 से लेकर 2025 तक कौन-कौन से खिलाड़ी आईपीएल की नीलामी में सबसे महंगे प्लेयर बन चुके हैं। 359 खिलाड़ियों को किया गया शॉर्टलिस्ट आईपीएल ऑक्शन 2026 के लिए कुल 359 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है. 16 दिसंबर को अबू धाबी में आईपीएल 2026 का ऑक्शन होगा, जिसमें डेवोन कॉनवे, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, लियाम लिविंगस्टोन, वेंकटेश अय्यर, कैमरन ग्रीन, सरफराज खान, डेविड मिलर और पृथ्वी शॉ जैसे खिलाड़ियों पर खास नजर होगी।

पिछले सीजन सबसे महंगे खिलाड़ी पंत

आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में ऋषभ पंत को झोली भरकर पैसे मिले थे। लखनऊ सुपर जायंट्स ने पंत पर जमकर पैसा बरसाया और उन्हें 27 करोड़ रुपए की मोटी रकम देकर न सिर्फ टीम में शामिल किया, बल्कि कप्तान भी बनाया। इस रकम के साथ ही पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी भी बने थे।

सबसे महंगे खिलाड़ी

साल	खिलाड़ी	टीम	कीमत
2008	एम एस धोनी	सीएसके	6 करोड़
2009	केविन पीटरसन	आरसीबी	7.55 करोड
	एंड्रयू फ्लिंटॉफ	सीएसके	7.55 करोड़
2010	शेन बॉन्ड	केकेआर	4.8 करोड़
	किरोन पोलार्ड	एमआई	4.8 करोड़
2011	गौतम गंभीर	केकेआर	11.04 करोड़
2012	रवींद्र जडेजा	सीएसके	12.8 करोड़
2013	ग्लेन मैक्सवेल	एमआई	6.3 करोड़
2014	युवराज सिंह	आरसीबी	14 करोड़
2015	युवराज सिंह	डीसी	16 करोड़
2016	शेन वॉटसन	आरसीबी	9.5 करोड़
2017	बेन स्टोक्स	आरपीएसजी	14.5 करोड़
2018	बेन स्टोक्स	आरआर	12.5 करोड़
2019	जयदेव उनादकट	आरआर	8.4 करोड़
	वरुण चक्रवर्ती	केकेआर	8.4 करोड़
2020	पैट कमिंस	केकेआर	15.5 करोड़
2021	क्रिस मॉरिस	आरआर	16.25 करोड़
2022	ईशान किशन	एमआई	15.25 करोड़
2023	सैम कुरेन	पीबीकेएस	18.5 करोड़
2024	मिशेल स्टार्क	केकेआर	24.75 करोड़
2025	ऋषभ पंत	एलएसजी	27 करोड़

पीएम नरेंद्र मोदी शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए

संसद पर हमले की 24वीं बरसी

शहीदों को याद कर भावुक हुआ देश पीएम मोदी सहित सांसदों ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के नेतृत्व में सांसदों ने शनिवार को 2001 में संसद भवन पर आतंकवादियों के हमले के दौरान मारे गए लोगों को पुष्पांजलि अर्पित की।

पीएम नरेन्द्र मोदी और राज्यसभा के सभापति राधाकृष्णन हमले की 24वीं बरसी पर श्रद्धांजलि अर्पित करने वाले शुरुआती नेताओं में शामिल थे। इस दिन की याद में हर साल 13 दिसंबर को पुराने संसद भवन (संविधान सदन) के बाहर एक छोटा समारोह आयोजित किया जाता है।

श्रद्धांजलि समारोह में कई वरिष्ठ नेता रहे मौजूद

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन भी श्रद्धांजलि देने के लिए संसद परिसर पहुंचे। श्रद्धांजलि समारोह में कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे, जिनमें केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, पीयूष गोयल, जितेंद्र सिंह और अर्जुन राम मेघवाल शामिल थे। इसके अलावा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी सहित अन्य सांसद भी उपस्थित रहे।

पीएम मोदी ने वीरगति को प्राप्त हुए सुरक्षाबलों के जवानों के परिजनों से मुलाकात की

सर्वोच्च बलिदान के लिए देश आभारी: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने श्रद्धांजलि देते हुए 'एक्स' पर लिखा कि इस दिन, हमारा देश उन लोगों को याद करता है जिन्होंने 2001 में हमारी संसद पर हुए भयानक हमले के दौरान अपनी जान दे दी थी। गंभीर खतरे का सामना करते हुए, उनकी हिम्मत, सतर्कता और कर्तव्य के प्रति अटूट भावना कमाल की थी। भारत उनके सर्वोच्च बलिदान के लिए हमेशा उनका आभारी रहेगा।

ऋणी रहेगा देश: राष्ट्रपति मुर्मू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि आज के दिन हम उन वीर नायकों को नमन करता है जिन्होंने 2001 में इसी दिन हमारी संसद की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। देश उनके और उनके परिवारों का ऋणी रहेगा।

सुरक्षा बल ने सलामी दी

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कर्मियों ने कार्यक्रम स्थल पर सलामी या 'सम्मान गारद' प्रस्तुत किया जिसके बाद शहीदों की याद में कुछ समय का मौन रखा गया। 2023 तक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) 'सलामी शस्त्र' प्रस्तुत करता था।

खबर संक्षेप

17 साल बाद बांग्लादेश आ रहे खालिदा जिया के बेटे

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व पीएम बेगम खालिदा जिया के बेटे और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी

(बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान 17 साल बाद स्वदेश लौटने जा रहे हैं। वह एक दशक से ज्यादा समय से लंदन में स्वनिर्वासित जीवन व्यतीत कर रहे हैं। बीएनपी ने बताया कि तारिक रहमान 25 दिसंबर को ढाका पहुंचेंगे। उनकी वापसी ऐसे समय में हो रही है, जब बांग्लादेश में आम चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन के अनुसार, उम्मीदवारों के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 29 दिसंबर तय की गई है।

कोर्ट ने सरफराज को सुनाई मौत की सजा

लखनऊ। यूपी में बहराइच की एक कोर्ट ने दुर्गा पूजा की मूर्ति को लेकर

भड़की सांप्रदायिक हिंसा के दौरान 22 वर्षीय युवक की हत्या के मुख्य आरोपी सरफराज उर्फ रिंकू को मौत की सजा सुनाई और नौ अन्य को आजीवन कारावास की सजा दी। अदालत ने कहा कि सच्चे न्याय के हित में, सजा ऐसी होनी चाहिए जो समाज में ऐसे जानवरों के मन में भय पैदा करे और न्यायिक प्रणाली में जनता का विश्वास बहाल करे। गुरुवार को सुनाए गए अपने फैसले में सत्र न्यायाधीश पवन कुमार शर्मा ने इस हत्या को अत्यंत बर्बरता का कृत्य बताया।

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस अरेस्ट

दुबई। ईरान ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को

गिरफ्तार कर लिया है। उनके समर्थकों ने यह जानकारी दी है। मोहम्मदी के नाम पर स्थापित एक संस्था ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें राजधानी तेहरान से लगभग 680 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित मशहद में उस समय हिरासत में लिया गया था जब वह एक मानवाधिकार वकील की शोकसभा में भाग लेने गई थीं। वकील की हाल में अस्पष्ट परिस्थितियों में मौत हो गई थी। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि अधिकारी मोहम्मदी को तुरंत जेल वापस भेजेंगे या नहीं।

पाकिस्तान के आतंकी कनेक्शन को कूटनीतिक ढंग से बेनकाब करेगा तालिबान

मानवाधिकार उल्लंघन पर वैश्विक शक्तियों को भेजेगा विस्तृत डॉजियर

काबुल का दावा- हमारे पास ठोस सबूत

एजेंसी ▶▶ काबुल

तालिबान ने पाकिस्तान के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। यही कारण है कि तालिबान प्रशासन पाकिस्तान पर सिर्फ जमीनी नहीं, बल्कि कूटनीतिक रणनीति के तहत हमला भी करने जा रहा है। इसके लिए तालिबान प्रशासन वैश्विक महाशक्तियों को पाकिस्तान के आतंकवादी कनेक्शन और मानवाधिकार उल्लंघन पर वैश्विक शक्तियों को डॉजियर भेजेगा।

इस डॉजियर में पाकिस्तान के आतंकवाद का समर्थन करने, अफगानिस्तान पर आर्थिक दबाव डालने और अफगान नागरिकों और शरणार्थियों के खिलाफ मानवाधिकारों का उल्लंघन करने का सबूत होगा। अफगान विदेश मंत्रालय के एक उच्च सूत्र ने बताया कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने मिलकर यह डॉजियर तैयार किया है, जिसे तालिबान के सुप्रीम लीडर मुल्ला हिबतुल्लाह अखुंदजादा से मंजूरी मिलने के बाद क्षेत्रीय और वैश्विक महाशक्तियों को भेजा जाएगा।

"वैश्विक महाशक्तियों को भेजे जाने वाले डॉजियर में पाकिस्तान के आतंकवाद का समर्थन करने, अफगानिस्तान पर आर्थिक दबाव डालने और अफगान नागरिकों और शरणार्थियों के खिलाफ मानवाधिकारों का उल्लंघन करने का सबूत होगा"

अफगानिस्तान के विदेश और गृह मंत्रालय ने तैयार किया डॉजियर

पाक पर आतंकियों के सहारे कई देशों को अस्थिर करने का आरोप

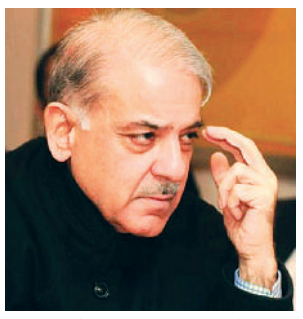

पाक पीएम शहबाज शरीफ

हिबतुल्लाह अखुंदजादा

पाकिस्तान ने ट्रांजिट व्यापार रोका

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान पर बिना किसी वजह के पिछले दो महीनों से मनमाने ढंग से सीमा पार करने पर रोक लगाने और अफगान ट्रांजिट व्यापार को निलंबित करने का आरोप लगाया है। इसमें आगे आरोप लगाया गया है कि पाकिस्तान ने लंबे समय से अफगानिस्तान के भारत के साथ ट्रांजिट व्यापार को रोक रखा है, जबकि अफगानिस्तान एक लैंडलॉक देश है और उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त ट्रांजिट अधिकार प्राप्त हैं।

पाकिस्तान बना आतंकियों का केंद्र

डॉजियर में आरोप लगाया गया है कि पाकिस्तान 'आतंकवादियों के लिए एक सुविधा केंद्र' बन गया है और इस्लामाबाद पर बलूचिस्तान में आईएसआईएस के तत्वों को पालने-पोसने और उनका इस्तेमाल अफगानिस्तान, भारत और ईरान सहित पड़ोसी देशों को अस्थिर करने के लिए करने का आरोप लगाया गया है।

भारतीय सीमा के नजदीक की छावनियों में पहुंचे मुनीर

पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) असीम मुनीर ने अपनी सेना की तैयारियों का जायजा लिया है। शनिवार को उन्होंने दो शहरों- गुजरांवाला और सियालकोट की छावनी का दौरा किया, जहां उन्होंने सैन्य अधिकारियों और सैनिकों से बातचीत करते हुए युद्ध की तैयारी देखी। मुनीर ने इस दौरान कहा कि आधुनिक युद्ध के लिए सटीकता और स्थिति की जानकारी जरूरी है। मुनीर का दो प्रमुख छावनियों का यह दौरा ऐसे समय हुआ है, जब अफगानिस्तान से पाकिस्तान तकरीबन युद्ध जैसी स्थिति में है। वहीं भारत से भी लगातार पाकिस्तान का तनाव बना हुआ है। ऐसे में मुनीर के इस दौरे को किसी संभावित लड़ाई की तैयारी की तरह भी देखा जा रहा है।

पाकी सीमा चौकी पर असीम मुनीर

पाक सेना कर रही आतंकियों की फंडिंग

डॉजियर के अनुसार, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियां- इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और मिलिट्री इंटेलिजेंस (एमआई) मिलकर आईएसआईएस और अन्य आतंकवादी समूहों को लॉजिस्टिकल सपोर्ट और वित्तीय सहायता दे रही हैं।

ट्रंप ने भारत के साथ यह क्या किया?

नए संगठन 'पैक्स सिलिका' में नहीं किया गया शामिल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका की अगुवाई में एक नई रणनीतिक पहल शुरू की गई है, जिसका मकसद एक सुरक्षित और नवाचार से चलने वाली सिलिकॉन सप्लाई चेन बनाना है। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, पैक्स सिलिका नाम की इस पहल का मकसद निर्भरता को कम करना, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए जरूरी मटीरियल और क्षमताओं की रक्षा करना और यह पक्का करना है कि पैक्स सिलिका के सदस्य देश बड़े पैमाने पर बदलाव लाने वाली तकनीक को विकसित और इस्तेमाल कर सकें।

ग्लोबल एआई सप्लाई चेन मजबूत करेंगे

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि ये देश मिलकर ग्लोबल एआई सप्लाई चेन को ताकत देने वाली सबसे जरूरी कंपनियों और निवेशकों का घर हैं। इसमें शामिल देश मिलकर बहुस्तरीय साझेदारी करने पर चर्चा करेंगे, जिससे सप्लाई चेन सुरक्षा मजबूत होगी, निर्भरता और सिंगल पॉइंट ऑफ फेलियर को ठीक किया जा सकेगा, और भरोसेमंद टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम को अपनाने में मदद मिलेगी। वे कनेक्टिविटी और डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर, कंप्यूटर और सेमीकंडक्टर, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स, मिनरल रिफाइनिंग और प्रोसेसिंग, और एनर्जी जैसे ग्लोबल टेक्नोलॉजी स्टैक में फ्लैगशिप प्रोजेक्ट्स पर पार्टनरशिप करने के मौके तलाशेंगे।

भारत को मिलेगी 50 फीसदी टैरिफ से राहत, अमेरिका की संसद में पेश हुआ प्रस्ताव!

नई दिल्ली। यूक्रेन युद्ध के बीच रूस से की जा रही कच्चे-तेल की खरीद पर गंभीर नाराजगी जताते हुए अमेरिका द्वारा इस साल अगस्त महीने से भारत पर लगाया गया 50 फीसदी टैरिफ क्या जल्द ही हटने वाला है? जी हां आपने सही सुना, क्योंकि इसे लेकर कहीं और नहीं बल्कि अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस के निचले सदन (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में बीते शुक्रवार को एक प्रस्ताव पेश किया गया है। जिसकी पहल सदन के सदस्य और मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के तीन सांसदों डेबोरा रॉस, मार्क वीजी और भारतीय मूल के राजा कृष्णमूर्ति ने की है। जो क्रमशः नॉर्थ कैरोलिना, टेक्सास और इलिनॉय से जनप्रतिनिधि हैं। इनका कहना है कि राष्ट्रीय आपातकाल के नाम पर भारत पर लगाया गया 50 फीसदी टैरिफ पूरी तरह से अवैध है और इसे तुरंत वापस लिया जाना चाहिए।

भारत ने की मानवीय सहायता

पेरू को 32 टन सामग्री भेजी, 2.5 लाख सेलाइन बोतलें भी शामिल

विश्वास सपकाल सौंपते हुए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने पेरू में डिहाइड्रेशन से जूझ रहे मरीजों की सहायता के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। भारत ने उपचार के लिए पेरू को 2.5 लाख से अधिक सेलाइन बोतलें उपलब्ध कराईं और दक्षिण अमेरिकी देश के साथ भरोसेमंद साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। पेरू में भारत के राजदूत विश्वास सपकाल ने शुक्रवार को यह खेप पेरू के स्वास्थ्य मंत्रालय को सौंपी। पेरू सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत सरकार द्वारा की गई इस सहायता की सराहना की। इनमें स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महानिदेशक अल्बर्टो तेजादा कॉनरॉय, नेशनल सेंटर फॉर द सप्लाई ऑफ स्ट्रैटेजिक हेल्थ रिसोर्सेज के संयुक्त निदेशक एरिक वास्केज काल्डेरोन और विदेश मंत्रालय के निदेशक एबेल कार्डेनस शामिल थे।

एच-1बी वीजा पर यूएस में बवाल

19 राज्यों ने खटखटाया कोर्ट का दरवाजा, कहा- फैसला गैरकानूनी

ट्रंप गोल्ड कार्ड

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस फैसले ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है, जिसमें नए एच-1बी वीजा आवेदनों की फीस सीधे बढ़ाकर 1 लाख डॉलर करने का आदेश दिया गया। इस फैसले के खिलाफ अब कैलिफोर्निया की अगुवाई में अमेरिका के 19 राज्यों ने अदालत का रुख कर लिया है।

कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बॉन्टा के नेतृत्व में दायर याचिका में कहा गया है कि ट्रंप सरकार का यह फैसला न सिर्फ गैरकानूनी है, बल्कि यह संघीय कानूनों का उल्लंघन भी करता है। राज्यों का आरोप है कि प्रशासन ने एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसीजर एक्ट को दरकिनार करते हुए कांग्रेस की मंजूरी के बिना यह कदम उठाया है, जो उसकी अधिकार सीमा से बाहर है।

शादी के बाद चला गया था पाकिस्तान, परिवार को नहीं थी

चार साल ली आतंकी बनने की ट्रेनिंग भारत लौटते ही सुरक्षा बलों ने दबोचा

परिवार ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी, पहले से ही देश विरोधी गतिविधियों में संलिप्त

एजेंसी ▶▶ राजोरी

परगवाल में सीमा पर पकड़ा गया आतंकी अब्दुल खालिक 2021 में शादी के बाद पाकिस्तान चला गया था। वहां वह चार साल तक पीओके सहित कई जगहों पर रहा व आतंकी बनने की ट्रेनिंग ली। परिवार को भी उसके सीमापार जाने का पता नहीं था। लंबे समय से गायब रहने पर चिंगस पुलिस पोस्ट में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। खालिक का गांव राजोरी की दरहाल तहसील के उज्जान-मरगा में है। उसकी शादी नौशेरा सब-डिवीजन के रानी-बधेतर गांव में हुई है। 2021 में वह नौशारा से सीमापार कर पाकिस्तान चला गया।

आंतकी अब्दुल खालिक और उसके पास से बरामद हथियार

एजेंसियों के पास था घुसपैठ का इनपुट

परगवाल में सीमा पर पकड़े गए पाकिस्तानी गाइड को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। सीमा पर सुरक्षा और बढ़ा दी गई है। रक्षा सूत्रों के अनुसार सुरक्षा एजेंसियों के पास पहले से इनपुट थे कि पाकिस्तानी सेना व वहां की खुफिया एजेंसी आईएसआई आतंकियों को भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करवाने की फिराक में हैं।

एक मिनट में 800 राउंड बरसाती है जर्मन एमपी 5 गन

परगवाल में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पकड़े गए आतंकी से बरामद जर्मनी में बनी मशीन गन एमपी 5 सबमशीन आधुनिक हथियार है। यह एक मिनट में लगभग 800 राउंड तक दाग सकती है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार यह एमपी सबमशीन गन भारतीय सेना, नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) और मार्कोस जैसी विशेष टुकड़ियां इस्तेमाल करती हैं। हथियार में सेमी और फुल ऑटोमेटिक दोनों मोड होते हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25